बर्षः- 05
अंकः- 345
मुरादाबाद
(Friday)
10 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

बंगाल में BJP की जनसभाएं : हल्दिया में गारंटी देने के बाद आसनसोल में गरजे PM, कहा- भर गया TMC के पापों का घड़ा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बंगाल के आसनसोल में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत देवी कल्यानेश्वरी और घाघर बुरी चंडी का आह्वान करके की। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल में अब सत्ता परिवर्तन निश्चित है, जिसे आसनसोल और पूरे बंगाल की जनता चाहती है। उन्होंने टीएमसी पर सिंडिकेट राज, कोयला और रेत माफिया को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।पीएम मोदी ने दावा किया कि टीएमसी के पापों का घड़ा भर चुका है और बदलाव के बाद बंगाल नई ऊंचाइयों को छुएगा। उन्होंने बताया कि कभी

समृद्ध औद्योगिक क्षेत्र रहे आसनसोल से निवेश पलायन कर गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केवल भाजपा की डबल इंजन सरकार ही इस स्थिति को सुधार सकती है। उन्होंने उल्लेख किया कि बंगाल का राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में योगदान 12 फीसदी से घटकर केवल पांच फीसदी रह गया है।विकास और केंद्र का योगदान- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार ने आसनसोल में उद्योगों के पुनरुद्धार के लिए 45,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी ने बंगाल को केवल निर्ममता दी है, जबकि भाजपा ने बाधाओं के बावजूद आसनसोल का विकास किया है। मोदी ने कहा कि आसनसोल और दुर्गापुर दोनों में महानगर बनने की क्षमता है। उन्होंने वादा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार यह विकास लाएगी। %भारत की पश्चिमी सीमाओं को सुरक्षित किया% -पीएम मोदी ने दावा किया कि भाजपा ने भारत की पश्चिमी सीमाओं को सुरक्षित किया है और पूर्वी सीमाओं की सुरक्षा भी भाजपा ही सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा आपका एक वोट बंगाल के भविष्य की सुरक्षा की गारंटी बनेगा। उन्होंने टीएमसी पर आरोप लगाया कि एक समुदाय के नाम पर हिंदुओं को धमकाया जा रहा है और बंगाल में घुसपैठियों के बढ़ते दबदबे से लोगों की आजीविका प्रभावित हो रही है। कुछ जगहों पर मंदिर जाने और पूजा करने पर पाबंदी लगी है। पीएम मोदी ने कहा कि यह सब टीएमसी सरकार की नीतियों का परिणाम है।उन्होंने साफ कहा कि 4 मई के बाद बंगाल में कानून का असली राज चलेगा और हर तरह की गुंडागर्दी का हिसाब लिया जाएगा। पीएम मोदी ने टीएमसी की बौखलाहट और जनता के भरोसे की बात करते हुए कहा कि बंगाल की जनता देशभक्त होगी और इस चुनाव में टीएमसी का कोई हथकंडा काम नहीं आएगा।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष बोले - ओबीसी महिलाओं के आरक्षण को लेकर संघर्ष करेंग

कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद ने कहा कि महिला आरक्षण में ओबीसी महिलाओं की अनदेखी की गई है। इसमें महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण का प्रावधान किया जाए।कांग्रेस ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जयहिंद ने कहा कि महात्मा फुले की जयंती को कांग्रेस भव्य तरीके से मनाएगी। महिलाओं को आरक्षण दिलाने के लिए संघर्ष किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत करते हुए अनिल जयहिंद ने कहा कि ग्राउंड लेवल पर आरक्षण को लेकर जागरूक किया जाएगा। हम चाहते हैं कि जनगणना में तेलंगाना का मॉडल अपनाया जाए। विभिन्न संगठनों से राय लेकर गणना की जाए।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से कराई जा रही जनगणना में कई खामियां हैं। जाति जनगणना करते समय कच्चा मकान, पक्का मकान सहित सभी पहलुओं की गणना हो। उन्होंने कहा कि ज्योतिबा फुले ने सामाजिक न्याय की लड़ाई की शुरुआत की। उन्होंने समता और शिक्षा के द्वार खोले। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होने वाले फुले जयंती समारोह में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडे, पूर्व अध्यक्ष राज बब्बर, इमरान प्रतापगढ़ी, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित अन्य नेता मौजूद रहेंगे।

सेना प्रमुख बोले- ऑपरेशन सिंदूर ने संयुक्त कार्रवाई के महत्व को बताया, ये एक केस स्टडी

सेना प्रमुख ने एक कार्यक्रम में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमें संयुक्त कार्रवाई के महत्व को बताया। यह एक केस स्टडी है। वहीं. आधुनिक युद्ध अब भौगोलिक सीमाओं या किसी एक सेना के प्रभुत्व तक सीमित नहीं है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने गुरुवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने डोमेन जॉइंटनेस की दिशा में भारत की प्रगति को दिखाया है। इस सैन्य अभियान को एकीकरण के परिचालन महत्व का निर्णायक केस स्टडी बताया। पिछले साल मई में, भारत ने 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में आतंकी लॉन्चपैड को निशाना बनाते हुए सैन्य कार्रवाई शुरू की थी। पहलगाम हमले में 26 भारतीय पर्यटक मारे गए थे।

जनरल द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर, विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्तता की दिशा में भारत की प्रगति का सबसे शक्तिशाली साधन था। लेकिन हमें विभिन्न क्षेत्रों का एकीकरण और विलय हासिल करना होगा। दरअसल, वह यहां रण संवाद मंच पर थल सेना द्वारा बहु-क्षेत्रीय संचालन (एमडीओ) का दृश्य-विश्लेषण विषय पर संबोधित कर रहे थे। सेना प्रमुख ने कहा कि एमडीओ के बारे में उनकी कल्पना छह डोमेन के समानांतर संचालन की नहीं है, बल्कि उन सभी की निरंतर गतिशील बातचीत की है, जहां भार बदलता है और नेतृत्व में परिवर्तन होता है।सेना प्रमुख ने क्या कहा?- सेना प्रमुख ने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक युद्ध अब भौगोलिक सीमाओं या किसी एक सेना के प्रभुत्व तक सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों, हितधारकों और संघर्ष के स्तरों में निरंतर क्रिया द्वारा परिभाषित होता है। उन्होंने कहा, हम अपने समय के एक बिखरे हुए, अघोषित, बहु-मोर्चे वाले, बहु-क्षेत्रीय युद्ध का सामना कर रहे हैं। सवाल यह नहीं है कि क्या क्षेत्र आपस में परस्पर क्रिया करते हैं, बल्कि यह है कि युद्ध क्षेत्र में यह परस्पर क्रिया किस प्रकार संचालित होती है।स्थलीय क्षेत्र और स्थलीय बलों के बीच अंतर-इसके साथ ही जनरल द्विवेदी ने स्थलीय क्षेत्र और स्थलीय बलों के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए समझाया कि जहां पहला परिचालन क्षेत्र को संदर्भित करता है। वहीं दूसरा उन सभी छह क्षेत्रों - भूमि, वायु, समुद्री, साइबर, अंतरिक्ष और संज्ञानात्मक को शामिल करता है जो एक साझा वातावरण में काम करते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ये क्षेत्र अब पृथक नहीं हैं बल्कि गतिशील तालमेल के माध्यम से काम करते हैं।उन्होंने कहा, एमडीओ में, युद्धक्षेत्र अब मानचित्र पर खींची गई एक रेखा मात्र नहीं है। यह एक 3डी परिदृश्य है - साइबर प्रभाव संज्ञानात्मक स्थान को आकार देते हैं। अंतरिक्षीय संसाधन लक्ष्यों को संकेत देते हैं। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध एक साथ हर आवृत्ति का मुकाबला करता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कमांडरों को सामरिक से लेकर रणनीतिक स्तर तक, विभिन्न क्षेत्रों में स्थितिजन्य जागरूकता विकसित करनी चाहिए। जनरल द्विवेदी ने आगे कहा, यह जमीनी खुफिया नेटवर्क, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध (ईडब्ल्यू) से मिली जानकारियों का मेल था जिसने सेना और वायु सेना की संयुक्त कार्रवाई को लक्ष्य निर्धारित करने में मदद की, वहीं नौसेना की तैनाती में बदलाव ने रणनीतिक गणना को आकार दिया। किसी एक क्षेत्र ने इस अभियान का फैसला नहीं किया।

सीएम योगी बोले - बुनकरों की आय, सम्मान और स्थायित्व सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता

सभी विभाग जेम पोर्टल से ही करें खरीद, सीएम योगी ने जताई नाराजगी;बोले- लापरवाही नहीं चलेगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हथकरघा विभाग की समीक्षा बैठक कर अफसरों को महत्वपूर्ण निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हथकरघा क्षेत्र को वैल्यू चेन मॉडल पर विकसित करें। केवल उत्पादन तक सीमित न रहें।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुनकर केवल परंपरा के संवाहक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त आधार हैं। ऐसे में उनकी आय, सम्मान और आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बुनकरों के सामने कच्चे माल की बढ़ती लागत, डिजाइन और आधुनिक तकनीक का अभाव तथा सीमित बाजार पहुंच जैसी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल योजनागत सहायता से नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ एवं समन्वित तंत्र विकसित कर ही संभव है। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में परिणामोन्मुख, क्लस्टर-आधारित नई कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।गुरुवार को हथकरघा विभाग की समीक्षा बैठक में अवगत कराया गया कि प्रदेश में लगभग 1.99 लाख बुनकर कार्यरत हैं और उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश में छठवें स्थान पर है। कालीन, दरी एवं मैट के उत्पादन में प्रदेश अग्रणी है, जबकि बेडशीट, फर्निशिंग और ब्लैंकेट जैसे उत्पादों में भी राज्य की मजबूत उपस्थिति है। वर्ष 2024-25 में देश का कुल हथकरघा निर्यात ?1178.93 करोड़ रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश का योगदान ?109.40 करोड़ (लगभग 9.27 प्रतिशत) रहा।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि

बुनकर बहुल क्षेत्रों की पहचान कर वहां क्लस्टर विकसित किए जाएं, ताकि उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन को एकीकृत किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये क्लस्टर केवल उत्पादन तक सीमित न रहकर पूर्ण वैल्यू चेन के रूप में विकसित हों, जहां डिजाइन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच एक ही ढांचे में सुनिश्चित हो। बैठक में क्लस्टर चयन, बेसलाइन सर्वे, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने, प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत अनुश्रवण जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक क्लस्टर में सीमित संख्या में बुनकरों को संगठित कर पंजीकृत इकाइयों के रूप में विकसित किया जाए, जिससे सामूहिक उत्पादन और विपणन को बढ़ावा मिले। साथ ही, इन क्लस्टरों को आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरणों और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हो। बाजार की मांग के अनुरूप तैयार करें उत्पाद-डिजाइन और विपणन को सुदृढ़ बनाने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्पाद की सफलता बाजार की मांग के अनुरूप होने पर ही संभव है। उन्होंने 'डिजाइनर-कम-मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव' तथा 'डिजाइन हाउस/सोर्सिंग-बाइंग एजेंसी/एक्सपोर्ट हाउस' जैसे संस्थागत तंत्र को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने पॉवरलूम बुनकरों के विद्युत बिल में कमी लाने के लिए बेहतर प्रयासों की जरूरत भी बताई। मुख्यमंत्री के निर्देश पर इस संबंध में हतकरघा विभाग और पॉवर कॉर्पोरेशन मिलकर कार्ययोजना तैयार करेंगे। मुख्यमंत्री ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने पर विशेष बल देते हुए कहा कि इससे बुनकरों की विद्युत लागत में कमी आएगी और उन्हें दीर्घकालिक राहत मिलेगी। उन्होंने इस दिशा में प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का बुनकर समुदाय राज्य की समृद्ध परंपरा, रोजगार और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। अतः ऐसी संतुलित, पारदर्शी और व्यावहारिक नीति तैयार की जाए, जिससे बुनकरों को वास्तविक राहत मिले, उद्योग को नई गति मिले और प्रदेश की पारंपरिक बुनकरी को सशक्त आधार प्राप्त हो सके। बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश की उपस्थिति रही।

कांग्रेस ने मोदी सरकार पर साधा निशाना,सलमान खुर्शीद बोले-कूटनीतिक विफलता से बढ़ी पाकिस्तान की साख

कांग्रेस ने पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच हुए संघर्षविराम के दौरान पाकिस्तान की भूमिका पर गहरी नाराजगी जताई है। पार्टी का कहना है कि मोदी सरकार की गलत विदेश नीति की वजह से भारत ने अपना प्रभाव खो दिया है,

जिससे न केवल पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिली है, बल्कि भारत में महंगाई और ऊर्जा संकट भी बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है।पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच हुए अस्थायी संघर्षविराम ने भारत की आंतरिक राजनीति में हलचल तेज कर दी है। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस शांति समझौते का स्वागत तो किया है, लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में पाकिस्तान की उभरती भूमिका को लेकर मोदी सरकार को आड़े हाथों लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की कूटनीतिक गलतियों और पक्षपाती रवैये के कारण आज भारत इस महत्वपूर्ण चर्चा से बाहर है। वहीं, पाकिस्तान एक मुख्य मध्यस्थ के रूप में उभर कर सामने आया है।पाकिस्तान को मिला दुनिया के सामने सुधरने का मौका- खुर्शीद-कांग्रेस ने कहा कि भारत हमेशा से पश्चिम एशिया में एक भरोसेमंद मध्यस्थ की भूमिका निभाने के लिए बेहतर स्थिति में रहा है। लेकिन मोदी सरकार की चुप्पी ने पाकिस्तान को यह मौका दे दिया कि वह अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की मेज सजा सके। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा कि यह भारत की कूटनीति के लिए एक बड़ा झटका है। वर्षों से हम पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अब उसे अपनी छवि सुधारने का मौका मिल गया है। अब पाकिस्तान खुद को एक शांति दूत के रूप में पेश कर रहा है, जो भारत की सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है।भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर असर- कांग्रेस ने आरोप लगाया कि विचारधारा आधारित विदेश नीति की वजह से आज देश को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। पश्चिम एशिया में अस्थिरता के कारण भारत में रसोई गैस, उर्वरक और अन्य जरूरी चीजों की किल्लत होने लगी है। इसके अलावा, वहां रहने वाले लाखों भारतीय प्रवासियों की सुरक्षा और उनकी नौकरियों पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। कांग्रेस ने मांग की है कि सरकार को इस संवेदनशील मुद्दे पर विपक्ष को भरोसे में लेना चाहिए और एक राष्ट्रीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की ऐतिहासिक साख को फिर से बहाल किया जा सके। क्या है मामला?- हाल ही में अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच दो हफ्ते के संघर्षविराम की घोषणा हुई है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस समझौते की शुरुआती बातचीत के लिए पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को चुना गया है। तीनों देशों के प्रतिनिधि पाकिस्तान में इस मुद्दे पर बातचीत करेंगे। अब देखना होगा कि पश्चिम एशिया में तनाव कब कम होता है।

संपादकीय Editorial

A City of Sin

While we may continue to find fault with the Chester Hill project, blaming the political, bureaucratic, and institutional circles, the truth is that everyone is blatantly exploiting the mountain. The latest example is the Chester Hill project in Solan. Several administrative officials were left red-faced following a lawyer's complaint, raising numerous questions about the entire project. Now, will the investigation be the target, or will the truth ever be revealed about how much "goods" have been sold in the new settlements? For years, a perennial accusation has been circulating: the entire state is being sold for Himachal's newfound wealth. While the gates may appear closed under the aegis of Section 118, or information and investigations may be distributed under the guise of principles, the truth is that every branch of development is rife with trouble. That's why, when a discussion took place at Dharamshala Central University regarding the Kangra earthquake, renowned geologist and Padmashree Dr. Harsh Gupta had to say that the multi-story buildings of Shimla and McLeodganj were shrouded in shrouds. From Parwanoo to Shimla and near Chester Hill, measurements are being taken with lethal force. Now, Himachal is hanging in the ecological arms of Zone 6, somewhere beyond Seismic Zone 5. And many villains have emerged in this endless cycle of problems. This law is being sought between land and debate, whereas justice should be between need and life. Beyond what happened in the Chester Hill project, how the land was sold, what the geological study reveals, or at what levels of corruption occurred, another solution is that Himachal has no place to live, and life needs a home. Even if a hundred more such projects emerge, there will be no shortage of buyers, but in every incarnation, there will be someone to blame. Now, who is responsible for this investigation or who is responsible? We heard about it even when several private universities opened in Solan district, and now, within an average kilometer of four-lane roads, malls have sprung up on the hillside. We complain neither about the geographical conditions nor about the law's restraint. Land is being sold to fund the wealth flowing into Himachal. So, who is flouting the TCP Act, enacted five decades ago? And this isn't just about Chester Hill; entering Shimla, McLeodganj, Kasauli, Dalhousie, or any other city, you'll see the floors, dishonored and cursed, utterly utterly. Therefore, the TCP Act should be implemented across the entire state, and in its spirit, land pooling, approval for new structures, and permission for scientific settlement should be allowed. While development is occurring lopsidedly, the government's practice of circumventing the permit process has led to the emergence of many back alleys. This same Chor Gali was facilitating the union of Chester Hills with the Shimla system. But today, if the BJP has anything to say, all the dead bodies curse its governments. This has become the city of Kajal, it was stolen from my eyes. If Himachal's per capita income increases, it will be demonstrated. And this game of demand and supply is making Himachalis the buyers of 60% of the properties around Chandigarh. So what has the state's Himuda been doing? The punishment for not establishing a single township or satellite city since independence is that every hill is being cut, and the banks of ravines, rivers, and canals have shrunk. Nearly 15 years ago, in a Himuda demand survey, nearly 75,000 people deposited fees and expressed their desire to establish some towns or settlements, offering them safe and regulatory-compliant housing options, but nothing happened.

The other side: Do you want iron or forests? How did the deforestation in Kaladhungi stop?

The intervention of Kumaon Commissioner Henry Ramsay halted the deforestation, forcing the Kumaon Iron Box Company to close its operations. A second iron foundry was established in Kaladhungi, a town in Nainital, and became part of the Kumaon Iron Works Company in 1861. The foundries began to harvest oak trees for fuel and sal trees for railway sleepers. Henry Ramsay wrote to the government, warning that the establishment of an iron industry in the Terai Bhabar region would deplete the forests. Kaladhungi is a small town 35 kilometers from the Nainital district headquarters. The stone in the mountains is called dhunga. The Kaladhungi region is rich in "black stone," which became the town's trademark. This is why it was named "Kaladhungi." Kaladhungi is a significant place not only for its natural beauty but also for its industrial and environmental history. Very few people know that the country's second iron foundry was also established in the Kaladhungi region. In 1860, the country's first iron foundry was established in the Daichori region of Kumaon, while the second was in Kaladhungi. In 1861, this foundry merged with the Davis Company to form the Kumaon Iron Works Company. Subsequently, a total of eight foundries were established in various locations. Iron was smelted here to produce iron. The black rock found here was rich in iron ore, which was also used to make cast iron. The foundries began to extensively cut oak trees for fuel and sal trees for railway sleepers, severely impacting the environment. To operate the foundries, the British government granted permission to cut down approximately 35 kilometers of forest from the Dabka River to the Bhakra River in Nainital district. At that time, environmental concerns were largely ignored. At that time, the then Kumaon Commissioner, Henry Ramsay, expressed concern for the environment and banned tree felling. This affected the iron ore industry. Ultimately, in 1876, the Kumaon Iron Box Company was forced to close its operations. According to historian Dr. Ajay Singh Rawat, the first forest law in the country was implemented in 1878, but the then Kumaon Commissioner, Henry Ramsay, had initiated local forest management as early as 1854. Henry Ramsay wrote to the government, warning that the iron industry in the Terai Bhabar region would destroy the forests and adversely affect the environment. He even wrote that the trees already cut should not be removed, as this would harm biodiversity. Today, this area has survived thanks to Henry Ramsay, who later made it his field of work for Jim Corbett. Now, the District Tourism Department has developed a project to ensure that tourists visiting Corbett and Sitabani can access this historical heritage. The Forest Department will construct an approach road and gates to access it. This is part of the Corbett Trail. - Prem Pratap Singh

Who will the tea garden workers support in the Assam elections?

The approximately 3.5 million tea garden workers spread across nine districts in eastern and northern Assam hold a decisive position in 35 of the state's 126 seats. This is why the BJP government has suddenly shown sympathy for the workers ahead of the elections. Who will the tea garden workers support in the Assam Assembly elections on April 9th? This is the question being asked in political circles just before the voting. This is because their votes are decisive in at least 35 seats. The path to power lies through these gardens. Recognizing the importance of the plantation workers, both contenders for power, the BJP and the Congress, are making tempting promises to woo them. During his last visit to Assam, Prime Minister Narendra Modi plucked leaves alongside the workers and witnessed their traditional tribal dance. Congress leader Priyanka Gandhi and Jharkhand Chief Minister Hemant Soren have also visited the tea gardens, highlighting their importance. But what are these workers thinking? The state BJP government has launched several schemes for tea garden workers and claims to provide them with land leases. However, many workers are frustrated by the lack of housing. They are not even receiving monthly assistance under the state government's Arunodaya Yojana. Sumitra Oraon, a worker at the Cinnamara tea garden, which is run by the Assam Tea Corporation, explains that she is not receiving money under the Arunodaya Yojana. Not only is there a shortage of drinking water in the area, but they are also forced to live in mud houses. Although many workers have received houses under the Pradhan Mantri Awas Yojana, not all have received them yet. The approximately 3.5 million workers in these tea gardens, spread across nine districts in eastern and northern Assam, hold a decisive position in 35 of the state's 126 seats. This is why the BJP government has suddenly shown sympathy for the workers before the elections. The government has provided financial assistance of Rs. 5,000 each to the plantation workers and also increased their daily wages by Rs. 30. Now, in the plantations of the Brahmaputra Valley, this amount has risen to 280 rupees per day. This time, the BJP has promised to increase this amount to 500 rupees in the next five years. However, workers are still angry that the party has not yet fulfilled a promise made before the 2014 elections: Scheduled Tribe status for these workers. The party has made this promise in almost every election. However, Chief Minister Himanta Biswa Sarma says that the BJP government has done more for plantation workers in ten years than the Congress did in six decades. He alleges that the Congress has merely been using them as a vote bank. The Chief Minister claims that the government is seriously negotiating with the central government to grant these workers Scheduled Tribe status. However, the workers say that only after receiving Scheduled Tribe status can their existence as tribals be secured. They question why it is taking more than 12 years for this, even though the BJP is in power at the center? Assam has more than 850 tea gardens from Dibrugarh to Jorhat. In the 2016 and 2021 assembly elections, BJP candidates won most of the seats in this region. On the first of this month, the Prime Minister visited the Manohari tea garden near Dibrugarh, picked leaves, and interacted with workers. Shortly thereafter, Priyanka Gandhi addressed a rally at a tea garden in Nazira. On April 2, Rahul Gandhi and Gaurav Gogoi also held a rally at a tea garden in Titabor. The BJP is prominently promoting its welfare schemes launched in these areas over the past decade. It claims that these schemes have improved the living standards of plantation workers compared to before. However, the Congress claims that these schemes have not changed the situation on the ground. Plantation workers still face numerous problems. In its manifesto, the party has promised to grant Scheduled Tribe status to plantation workers, increase minimum wages, and take concrete steps towards improving the industry through new schemes. BJP leaders say that the party is focusing on tea gardens, anticipating the possibility of Muslim voters in lower and central Assam voting for the Congress this time due to the anti-encroachment drive and religious polarization. Meanwhile, the Congress party questions why the BJP has failed to fulfill its promise of granting Scheduled Tribe status to plantation workers. Party leader Gaurav Gogoi alleges that there is a severe shortage of drinking water, schools, and health centers in the tea gardens. During the BJP government's tenure, many plantations have closed, and incidents of violence against women living there have increased. However, political analysts say that the workers' demand for Scheduled Tribe status is a long-standing one. Despite being in power until 2016, the Congress party did not take any concrete steps on this issue. Consequently, the workers are unlikely to support the party this time.

Assembly Elections: Cash freebies for women could prove decisive

Of the five states where elections are being held, with the exception of the Union Territory of Puducherry, political parties' manifestos and election strategies in the remaining four appear to revolve around cash freebies. Voting for three of the five states' assembly elections, Puducherry, Assam, and Kerala, is scheduled for April 9th. Speculation is rife about which issue will influence voters? Which factor could be a game-changer? What magic wand could bring about a change in power or a return to power? A deeper look reveals that other issues aside, cash freebies aside. In recent years, ruling parties have found this formula, making it increasingly difficult for opposition parties to overthrow any ruling party in the states. This "rewadi" culture has also been designed with women in mind, who constitute nearly half of the total voters and whose support can either return a party to power or remove it from power. In this decade, it was first initiated by Mamata Banerjee in the 2021 West Bengal elections with a scheme called "Lakshmir Bhandar," under which every woman was given Rs. 500 per month. West Bengal and Women Voters - Since then, the women of Bengal have largely stood by Mamata Didi. This amount is increased by Rs. 500 in every election. Now it is Rs. 1,500, and SC/ST voters receive Rs. 1,700 per month. Nearly 25 million women voters in the state are benefiting from this. Sensing the electoral power of this cash "rewadi," the main opposition party, the BJP, has made an election promise to increase the amount to Rs. 3,000 per month if it comes to power. The results will reveal the impact this will have on the women of the state. This guaranteed solution was initiated by Mamata Didi, but in 2023, Mama Shivraj Singh Chouhan gave it a systematic shape in Madhya Pradesh. As a result, the BJP returned to power in Madhya Pradesh for the fifth time with a landslide majority, and governments in other states also embraced this cash solution. This means that since 2021, a total of 15 state assembly elections have been held in the country, with ruling parties returning to power in six. The difference is certainly in the names and amounts of these schemes, but the method of payment remains the same: direct online transfer to accounts. For poor and lower-class women, this seemingly small amount holds immense significance. This amount plays a decisive role in determining their voting preferences. Ideology, other amenities, and development are secondary to this. Even a few pennies for pocket expenses, without any effort, is like receiving God's blessing. In recent assembly elections.

हत्यारों के एनकाउंटर की मांग: पिता-पुत्र के शव देखते ही भड़का जनाक्रोश ,जाम लगाकर किया हंगामा

धनारी थाना क्षेत्र के गांव भिरावटी मझरा मलुआ घेर निवासी पिकअप चालक नरेश कुमार और उनके बेटे भीमसेन की हत्या के बाद जैसे ही शामली से दोनों के शव गांव पहुंचे तो ऐसा आक्रोश भड़का कि दोनों के शव सड़क पर रखकर भारी भीड़ ने जाम लगाकर हंगामा खड़ा कर दिया। हत्या करने वालों का एनकाउंटर करने के साथ ही परिवार को शवों के अंतिम संस्कार से पहले 50 लाख मुआवजा सहित कई मांगें रखी गईं। घंटों बाद भी जाम नहीं खुला तो प्रभारी पुलिस अधीक्षक व अपर जिलाधिकारी ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को आश्वासन दिया। इसके बाद शव गांव पहुंचे, परिवार में चीख-पुकार मच गई। लोग बरामद होने के बाद बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद जैसे ही आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने राजकीय इंटर कॉलेज अंतिम संस्कार के लिए शवों को ले जाए जा रहे थे, तभी जाम से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग के सामने दोनों शवों को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने प्रशासन के सामने शवों का अंतिम गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। जाम लगाकर देने के साथ ही एक पक्का आवास, परिवार के एक सदस्य संस्कार होने से पहले परिवार को 50 लाख रुपये मुआवजा और एनकाउंटर की मांग रखी। ग्रामीणों का कहना था कि को सरकारी नौकरी तथा सभी आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी खोला जाएगा। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होंगी, तब तक जाम नहीं में हड़कंप मच गया। मौके पर चार थानों की पुलिस के साथ

ही पीएसी व आरआरएफ के जवानों को तैनात किया गया। प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद देने, आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और मामले का शीघ्र खुलासा करने का आश्वासन दिया। इसके बाद भी भीड़ जाम खोलने के लिए तैयार नहीं हुई तो कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह व अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा खुद मौके पर पहुंचे। सपा विधायक आंदोलन में रहे मौजूद- सपा के विधायक रामखिलाड़ी यादव भी आंदोलन के दौरान मौजूद थे। दोनों अधिकारियों ने परिवार के लोगों की बात सुनकर इंसाफ और हर संभव मदद को भरोसा दिलाया। दोनों अधिकारियों के आश्वासन पर परिजन शांत हुए और जाम खोल दिया गया। इसके बाद शवों को अंतिम संस्कार के लिए ले जाया गया। घटना के बाद गांव में शोक और गुस्से का माहौल बना हुआ है, वहीं पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। सपा विधायक राम खिलाड़ी सिंह यादव ने पीड़ित परिवार को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। गला दबाकर की गई पिता पुत्र की हत्या- ,पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार पिता-पुत्र की हत्या गला दबाकर की गई थी। वहीं दोनों हाथ बंधे होने की भी पुष्टि हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने वाहन लूटने के उद्देश्य से दोनों का अपहरण कर हत्या की। इस प्रकरण में पुलिस ने सोमवार रात को बदायूं के दातागंज कस्बे से एक आरोपी को गिरफ्तार किया था। उसी की निशानदेही से पुलिस ने दोनों शव बरामद किए। पुलिस घटना में शामिल दो अन्य आरोपियों को तलाश कर रही है। पकड़े गए बदमाश ने बताया कि उन लोगों ने सात हजार रुपये में वाहन बुक किया था। पिता-पुत्र का हत्यारोपी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, दो साथी फरार- पिकअप लूटने के बाद पिता-पुत्र की हत्या कर शव शामली में फेंकने की सनसनीखेज वारदात में शामिल तीन में से एक बदमाश को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में बदमाश के पैर में गोली लगी है, जबकि घटना में शामिल दो आरोपी अभी फरार हैं। लूटी गई पिकअप भी बरामद नहीं हो सकी है।धनारी थाना क्षेत्र के भिरावटी मलुआ मझरा निवासी नरेश अपने बेटे भीमसेन के साथ 2 अप्रैल की शाम अमावती की साप्ताहिक बाजार से पिकअप लेकर मेरठ के लिए बुकिंग पर निकले थे। रात करीब 10 बजे गढ़ टोल प्लाजा पर परिजनों से उनकी आखिरी बार बात हुई, जिसके बाद दोनों के मोबाइल बंद हो गए। करीब छह दिन बाद शामली पुलिस ने दोनों के शव गन्ने के खेत से बरामद किए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल एक आरोपी मनोज निवासी चिंजरी, थाना मूसाझाग, जनपद बदायूं को धनारी क्षेत्र में घेर लिया। अपर पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के अनुसार, आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने गोली चलाई। गोली लगने से आरोपी घायल हो गया और उसे तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, इस वारदात में मनोज के अलावा अरविंद और संतोष निवासी रझेड़ा सलेमपुर, थाना कैलादेवी, जनपद संभल भी शामिल हैं। दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी और लूटी गई पिकअप की बरामदगी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है।

कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति शुरू होने से राहत

कॉमर्शियल गैस सिलेंडरों की आपूर्ति शुरू होने से रेस्टारेंट, होटल और ढाबा संचालकों की टेंशन कम हो गई है। पिछले महीने आपूर्ति बाधित होने से कई जगह वैकल्पिक प्रबंध किए गए थे, जिससे खाने की थाली पर महंगाई की मार पड़नी शुरू हो गई थी। अब पेट्रोलियम कंपनियों की ओर से कॉमर्शियल सिलेंडर की आपूर्ति शुरू कराने के बाद उनकी मुश्किल थोड़ी कम हो गई है। वहीं, अमेरिका-इजरायल-ईरान के बीच तात्कालिक युद्ध विराम और होर्मुज खुलने से धीरे-धीरे आपूर्ति सामान्य होने की उम्मीद जग गई है। अमेरिका-इजरायल-ईरान के बीच युद्ध का असर कुछ दिनों में ही दिखने लगा था। जिसका सबसे पहले असर पेट्रोलियम पदार्थों पर पड़ा। रसोई गैस सिलेंडर बुकिंग का सरकार ने नियम बदलकर शहर में 25 और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन कर दिया। इससे लोगों की मुश्किलें बढ़ने लगीं। सिलेंडर पाने के लिए मारामारी शुरू हो गई। होटलों और रेस्टोरेंटों को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति बाधित कर दी गई, जिससे इनके संचालकों के चेहरे पर चिंता की लकीरें गहरी हो गईं। औद्योगिक इकाइयों में भी काम पर असर पड़ा,

जिससे निर्यातकों की नींद उड़ गई। अब कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति में ढील के बाद होटल और रेस्टोरेंट संचालकों की टेंशन कम हो गई। शहर के होटल संचालकों का कहना है कि इससे तात्कालिक तौर पर राहत मिलनी तय है।जिलापूर्ति अधिकारी अजय प्रताप सिंह ने बताया कि अब कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति शुरू कराई जा रही है। घरेलू गैस सिलेंडर का कोई संकट नहीं है। एजेंसियों पर बैकलॉग भी नहीं है। तात्कालिक वैश्विक परिस्थितियों से राहत मिलेगी। फिर भी गैस सिलेंडर व अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की कृत्रिम किल्लत उत्पन्न करने वालों पर सख्ती की जाएगी।

दो दिन से हो रही बारिश ने किसानों की बढ़ाई चिंता, गेहूं की फसल पर मंडराया संकट

मौसम के रंग से सभी दंग, कुछ हिस्सों में तेज बारिश, अधिकांश सूखे

जिले में मौसम का मिजाज लगातार बिगड़ने से किसानों की चिंता बढ़ गई है। मंगलवार को हुई बारिश के बाद बुधवार को भी दोपहर में अचानक मौसम ने करवट ली और घने बादलों के साथ फिर से बारिश शुरू हो गई। लगातार दूसरे दिन हुई बारिश से खेतों में खड़ी और कटी पड़ी गेहूं की फसल को भारी नुकसान की आशंका जताई जा रही है। मंगलवार को हुई बारिश के बाद किसान सुबह से ही खेतों में भीगी गेहूं की फसल को सुखाने में जुटे हुए थे। कई किसान फसल को पलट-पलट कर धूप में सुखाने की कोशिश कर रहे थे, ताकि नुकसान कम से कम हो सके। लेकिन दोपहर बाद अचानक मौसम बदलने और फिर से बारिश शुरू होने से किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। बारिश के चलते जनपद में गेहूं की कटाई, मड़ाई और मंडियों तक फसल की निकासी का काम भी पूरी तरह प्रभावित हो गया है। कई जगह खेतों में पानी भरने से फसल खराब होने का खतरा और बढ़ गया है। किसान अपनी उपज को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में भी असमर्थ नजर आ रहे हैं। किसानों का कहना है कि अगर केवल एक दिन की बारिश होती तो स्थिति संभाली जा सकती थी, लेकिन लगातार दूसरे दिन हुई बारिश से नुकसान की आशंका कई गुना बढ़ गई है। उनका कहना है कि अब गेहूं में नमी बढ़ने से दाने की गुणवत्ता प्रभावित होगी और दाना काला पड़ने का खतरा भी बढ़ गया है। किसानों ने आशंका जताई कि यदि गुरुवार और उसके बाद भी मौसम इसी तरह बना रहा, तो गेहूं की फसल को भारी नुकसान झेलना पड़ेगा। किसान मौसम साफ होने की उम्मीद के साथ अपनी फसल को बचाने के प्रयास में

जुटे हैं, लेकिन लगातार बदलते मौसम ने उनकी चिंता और परेशानी दोनों बढ़ा दी हैं। पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम का रंग हर दिन बदल रहा है। मंगलवार को आई तेज आंधी व बारिश में जहां मानसरोवर सहित कई अन्य मोहल्ले में कई पेड़ और उसकी टहनियां टूटकर कार और ई रिक्शा पर गई, जिससे अफरा-तफरी मची। वहीं बुधवार को शहर में ही इसके कई रंग दिखे। सुबह से बादल व हल्की बूंदाबांदी के बाद फिर कुछ हिस्सों में दोपहर तक बारिश हुई तो शहर के अधिकांश हिस्से सूखे रहे। वहां चटख धूप के साथ धूल उड़ रही थी। बारिश ने फसलों को भी नुकसान पहुंचाया है।पश्चिमी विक्षोभ के चलते मौसम असंतुलित हो रहा है। कभी दो दिन तेज धूप तो फिर दो दिन हल्की बारिश। मंगलवार की शाम तेज आंधी और बारिश से जहां मानसरोवर कॉलोनी क्षेत्र में कार व ई-रिक्शा पर पेड़ व उसकी टहनियां टूट कर गिरने से अफरा तफरी मच गई थी। वहीं, बुधवार को इसका अलग रंग दिखा। कांठ रोड व आशियाना क्षेत्र में सुबह से घना बादल छाया था। सुबह नौ बजे के बाद बूंदाबांदी शुरू हुई और फिर दोपहर तक तेज बारिश हुई, जिससे इन क्षेत्रों में लोग बारिश में भीगकर अपने कार्यस्थल पर आए गए और स्कूल से लौटने पर बच्चे भी भीगे। आशियाना फेज एक और दो में बारिश के चलते नाला उफान पर होने से पानी सड़कों पर बहा। वहीं सड़क के गड्ढों में अभी भी पानी भरा है। इसमें हिचकोले खाते हुए वाहन गुजर रहे हैं। वहीं कांठ रोड, आशियाना, रामगंगा विहार में बारिश से लोग परेशान हुए, जबकि खुशहालपुर, बुद्धि विहार, दिल्ली रोड क्षेत्रों में एक बूंद भी पानी नहीं बरसा। यहां सड़कें सूखी थीं और तेज हवा से धूल उड़ रही थी। बारिश वाले क्षेत्रों से भीगकर दूसरी जगहों पर पहुंचने पर वहां के लोग हैरत से देख रहे थे। वहीं पश्चिमी विक्षोभ के चलते 10 अप्रैल तक उतार-चढ़ाव का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से बताया गया कि बारिश से फसलों को हुई नुकसान का आकलन मुख्यमंत्री के निर्देश पर कराया जा रहा है।बारिश से लुढ़का तापमान- दो दिन की बारिश के चलते बुधवार को तापमान भी लुढ़का। अधिकतम तापमान 29.4 और न्यूनतम 19 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गुरुवार को इसमें एक-एक डिग्री बढ़ने का अनुमान जताया गया है। जबकि अगले कुछ दिन अब चटख धूप भी निकल सकती है। 24 घंटे में हुई जिले में 44 मिलीमीटर बारिश मंगलवार से बुधवार सुबह तक 24 घंटे में जिले के सभी तहसीलों को मिलाकर 44 मिलीमीटर बारिश हुई। इसमें सर्वाधिक 16.5 मिलीमीटर सदर तहसील क्षेत्र में बारिश रिकॉर्ड किया गया। यह है तहसीलवार बारिश की स्थिति तहसील बारिश (मिलीमीटर में) सदर 16.5 बिलारी 8.0 कांठ 7.5 ठाकुरद्वारा 12.0 कुल वर्षा 44.0 मिलीमीटर औसत बारिश 11.0 मिलीमीटर पेज दो की लीड के साथ ═ बारिश और तेज हवा से गिर गईं लियांकिसानों के माथे पर फसल नुकसान की चिंता- पिछले सप्ताह के बाद अब इस हफ्ते भी हो रही बारिश व आंधी से गेहूं की फसल बुरी तरह प्रभावित हो गई है। खेतों में खड़ी फसल गिर गई है तो कई जगह काट कर रखे गए गेहूं की गांठें पानी से भीग गई हैं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। हालांकि मुख्यमंत्री के निर्देश पर फसलों के नुकसान का आकलन कराया जा रहा है।मौसम की मार से अन्नदाता भी प्रभावित हैं। मौसम बदलने पर तेज आंधी और बारिश से गेहूं की फसल पर विपरीत असर पड़ रहा है। अधिकांश किसानों की गेहूं की फसल खेत में खड़ी है या फिर कटाई कर उसकी गांठें बांधकर खेतों में सुखाने के लिए रखी गई थी। सूखने की कौन कहे बारिश ने उसे बुरी तरह भिगो दिया। ऐसे में इस उपज की कीमत न तो सरकारी क्रय केंद्रों पर उचित मिलेगी और न ही खुले बाजार में व्यापारी मंहगा रेट लगाएंगे। इससे किसानों को नुकसान होना तय है। हालांकि जिला प्रशासन का कहना है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर आंधी बारिश से फसलों के नुकसान का आकलन कराया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सीज फायर से मिले अवसर से निर्यातक उत्साहित, कालाबाजारी पर लगेगा अंकुश

अमेरिका-इजराइल-ईरान के बीच चल रहे युद्ध में तात्कालिक सीज फायर से मिले अवसर से हस्तशिल्पी और हैंडीक्राफ्ट उद्योग से जुड़े निर्यातक उत्साहित हैं। पहले ट्रंप टैरिफ की मार झेलने के बाद अमेरिका-इजराइल-ईरान के बीच युद्ध से परिस्थितियों पर काफी असर पड़ा। युद्ध के चलते ईंधन की किल्लत और उसके चलते उत्पादों की बढ़ी कीमतों से बेजार हो रहे बाजार को अब बूम की उम्मीद जगी है। ईपीसीएच हाउस में बुधवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए ईपीसीएच के चेयरमैन डॉ. नीरज विनोद खन्ना ने कहा कि सीज फायर का निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। इस दौरान जो सामान डंप पड़े थे उसकी बिक्री को गति मिलेगी और कालाबाजारी पर अंकुश लगेगा। उन्होंने बताया कि टैरिफ वार की चुनौतियों से निपटने के साथ ही नये बाजार आस्ट्रेलिया, यूके, इटली व अन्य देशों से व्यापारिक रिश्तों को बढ़ाकर उसे मजबूती दी गई। उन्होंने बताया कि जयपुर और जोधपुर में टेस्टिंग लैब स्थापित कराई है, इसका जल्द उद्घाटन कराया जाएगा। ईपीसीएच का मुख्य उद्देश्य भारत के हस्तशिल्प सेक्टर को दुनिया का सबसे पसंदीदा सोर्सिंग डेस्टीनेशन बनाना है। बताया कि पिछले साल 2 जून को उन्होंने ईपीसीएच के चेयरमैन पद का चार्ज लिया था। चुनौतियों को स्वीकार कर आगे कदम बढ़ाया। बताया कि फरवरी फेयर में जगह बढ़ाकर निर्यातकों को अवसर दिया गया। इस बार इसमें एजूकेशनल वर्कशॉप शुरू कराया। नयी पीढ़ी को निर्यात इंडस्ट्री में अवसर प्रदान करने का ईपीसीएच मजबूत प्लेटफार्म बनकर उभरा है। इस भवन में कैश एंड कैरी सेंटर खुलना कारोबारियों के लिए बेहतर मौका है। यहां मुरादाबाद के हस्तशिल्पियों के उत्पाद और हस्तशिल्प के बेहतरीन नमूना प्रदर्शित हैं। खरीदारों को अत्याधुनिक सुविधाएं दी जा रही हैं। इसमें कैफे भी संचालित किया जा रहा है। बताया कि जल्द ही ऑडिटोरियम बनेगा और निर्यातकों और आर्टीजन के साथ ही वरिष्ठ नागरिकों को विशेष रियायत दी जाएगी। कामर्स सेक्टर की प्रदर्शनी लगाई जा सकेगी। इस दौरान नेशनल चेयरमैन यस जेपी सिंह, रोहित ढल, सुशील अग्रवाल पुनीत आर्य, कुलाल दवे, विवेक अग्रवाल, गगन दुग्गल सहित अन्य निर्यातक मौजूद रहे।आपदा में निर्यातकों का पूरा सहयोग- ईपीसीएच के सीओएस सदस्य व मुख्य संयोजक अवधेश अग्रवाल ने आगामी योजनाओं को बेहतर करने की प्रतिबद्धता जताई। कहा ईपीसीएच आपदा में निर्यातकों के साथ पूरा सहयोग करती है। चुनौतियों में सभी निर्यातक एकजुटता के साथ खड़े हैं। आगामी अक्टूबर फेयर में 30 प्रतिशत बायर अधिक आएंगे। नजलूम इस्लाम, नावेद उर रहमान ने कहा कि ईपीसीएच के फेयर में पूरे भारत की सहभागिता होती है। सलमान आजम और रोहित ढल ने ईपीसीएच के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। सीओएस सदस्य रश्मि दुग्गल ने कहा कि महिलाओं को ईपीसीएच के प्लेटफार्म से जोड़ने के लिए प्रदर्शनी लगाई जाएगी।

वॉर खत्म मगर शंका बरकरार...इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की मांग में आया उछाल

अमेरिका-ईरान-इजरायल तनाव के चलते पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि की आशंका के चलते शहर में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर (ईवी) की मांग तेजी से बढ़ गई है। हालात यह है कि जो ग्राहक पहले पेट्रोल से चलने वाली दोपहिया गाड़ियां खरीदने की योजना बना रहे थे, वे अब इलेक्ट्रिक विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं। ऑटोमोबाइल बाजार से जुड़े व्यापारियों के अनुसार पिछले दो सप्ताह में इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की बिक्री में 15 से 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हीरो, बजाज, टीवीएस और ऐथर जैसी कंपनियों के शोरूम में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ी है। कांठ रोड स्थित दोपहिया शोरूम की प्रबंधक सीमा शुक्ला ने बताया कि वर्तमान में प्रतिदिन दो से तीन इलेक्ट्रिक स्कूटर की डिलीवरी हो रही है, जबकि 20 से 25 ग्राहक रोजाना जानकारी लेने के लिए पहुंच रहे हैं।वहीं, दिल्ली रोड स्थित अन्य शोरूम की संचालक दीप्ति वार्ष्णेय का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय हालात का सीधा असर पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर पड़ सकता है। ऐसे में ग्राहक भविष्य के खर्चों को ध्यान में रखते हुए ईवी को प्राथमिकता दे रहे हैं। बताया कि वित्तीय वर्ष के समापन के चलते कंपनियां स्टॉक खत्म करने के लिए आकर्षक ऑफर दे रही हैं, जिससे बिक्री को और बढ़ावा मिल रहा है। जिले भर में पिछले 10 दिनों के भीतर 150 से अधिक इलेक्ट्रिक स्कूटी की बिक्री हो चुकी है, जो इस बढ़ते रुझान को दर्शाता है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

इंसानियत शर्मसार! बिथरी चैनपुर में गर्भवती गाय की हत्या से उबाल, पुलिस ने शुरू की जांच

क्यूँ न लिखूँ सच/शेर सिंह/ बरेली के थाना बिथरी चैनपुर क्षेत्र में गर्भवती गाय की निर्मम हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। सोशल मीडिया पर मामला उछलने और संगठनों के दबाव के बाद आखिरकार पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी और अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। यह स्नद्धक्र रवि पुत्र रूम सिंह की तहरीर पर लिखी गई है, जिससे पूरे क्षेत्र में इस घटना को लेकर गंभीरता और बढ़ गई है।भाला

मारकर की गई थी निर्मम हत्या स्नद्धक्र में दर्ज विवरण के मुताबिक, 7 अप्रैल 2026 को होली चौक के पास एक गर्भवती गाय पर अज्ञात व्यक्ति ने भाला से हमला कर दिया। यह हमला इतना गंभीर था कि गाय बुरी तरह घायल हो गई और कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और इस अमानवीय कृत्य को देखकर आक्रोशित हो उठे। बाद में स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों की मदद से गाय का अंतिम संस्कार किया गया, लेकिन घटना ने इलाके में गहरी नाराजगी पैदा कर दी।

DM का जिला अस्पताल में अचानक छापा , मचा हड़कंप !

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। गुरुवार को जिला अस्पताल में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अचानक औचक निरीक्षण कर दिया। बिना किसी पूर्व सूचना के पहुंचे डीएम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत को परखा।निरीक्षण के दौरान डीएम ने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं और साफ-सफाई की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अलग-अलग वार्डों, ओपीडी, इमरजेंसी कक्ष और दवा वितरण केंद्र का निरीक्षण करते हुए मरीजों को मिल रही सुविधाओं की गुणवत्ता को जांचा।इस दौरान डीएम ने अस्पताल में मौजूद डॉक्टरों और कर्मचारियों की उपस्थिति भी चेक की। वहीं मरीजों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं और सुझाव भी सुने, जिससे वास्तविक स्थिति सामने आ सके।निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को सख्त निर्देश दिए कि अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था और बेहतर बनाई जाए, जरूरी दवाओं की उपलब्धता हर हाल में सुनिश्चित की जाए और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाया जाए।साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि अस्पताल में कार्यरत सभी कर्मचारियों को पहचान पत्र जारी किए जाएं, ताकि आम जनता को उन्हें पहचानने में कोई परेशानी न हो।

प्रबंधन विभाग का तीन दिवसीय मैनेजमेंट फेस्ट हुआ सम्पन्न , फैशन शो बना आकर्षण का केन्द्र

एड मेड शो, फैशन शो और विभिन्न प्रतियोगिताओं में छात्रों ने दिखाया हुनर

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के बीबीए विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय मैनेजमेंट फेस्ट का भव्य समापन समारोह उत्साह और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंधन एवं अतिथियों ने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए ऐसे आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डाला। बीबीए विभागाध्यक्ष एवं कार्यक्रम समन्वयक निशा परवीन ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

तीन दिवसीय इस फेस्ट के अंतिम दिन एड मेड शो और फैशन शो प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। फैशन शो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा, जिसने सभी का मन मोह लिया।

इसके साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे बिजनेस क्विज, रील मेकिंग, नेल आर्ट, हैंड पेंटिंग, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट एवं उद्यमिता स्टॉल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार

देकर सम्मानित किया गया। फैशन शो के कॉर्पोरेट और एथेनिक सेक्शन में छात्र-छात्राओं ने आत्मविश्वास और आकर्षक प्रस्तुति से दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी।समापन अवसर पर महाविद्यालय के अध्यक्ष एवं निदेशक ने छात्रों के प्रयासों की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्राचार्य ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी प्रायोजकों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बदलते मौसम में फसलों पर कीट व रोग का खतरा बढ़ा

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत । जनपद में मौसम में हो रहे बदलाव, हल्की बारिश और बढ़ती नमी के कारण आम, लीची और सब्जी फसलों पर कीट व रोगों का खतरा बढ़ गया है। उद्यान विभाग ने किसानों को सतर्क रहने और समय पर बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है। अधिकारियों के अनुसार, आम की फसल में इस समय मिलीबग, भुनगा और थ्रिप्स

जैसे कीट नुकसान पहुंचा सकते हैं। वहीं एन्थ्रेक्नोज रोग का भी प्रकोप बढ़ने की आशंका है। लीची में फल बनने के समय विशेष देखभाल की जरूरत बताई गई है, क्योंकि इस दौरान फल झड़ने की समस्या अधिक रहती है। टमाटर और कद्दूवर्गीय फसलों में भी झुलसा व फफूंदजनित रोग फैल सकते हैं। ऐसे में किसानों को नियमित निगरानी, उचित दवा का छिड़काव और जलभराव से बचाव करने की सलाह दी गई है। उद्यान विभाग ने कहा है कि किसान कीटनाशकों का प्रयोग करते समय सावधानी बरतें और जरूरत पड़ने पर संबंधित विभाग से संपर्क करें।

डीएम ने जिला पूर्ति विभाग में किया औचक निरीक्षण , प्रशासनिक सख्ती का असर अब जमीनी स्तर पर दिखने लगा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाअधिकारी अविनाश सिंह ने गुरुवार को जिला पूर्ति कार्यालय का औचक निरीक्षण किया, जिससे कार्यालय में हड़कंप मच गया। जिला अधिकारी ने सबसे पहले कर्मचारियों की उपस्थिति पंजिका की जांच की और कार्यालय की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। साथ ही साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश भी दिए। इस दौरान पूर्ति विभाग के बाहर खड़े जरूरतमंद लोगों पर जिला अधिकारी की नजर पड़ी, जो गैस सिलेंडर के लिए कार्यालय पहुंचे थे। इनमें से दो परिवारों में शादी का कार्यक्रम था, जबकि एक परिवार में तेरहवीं का आयोजन होना था।जिलाधिकारी ने मौके पर ही प्रार्थियों से बातचीत की और जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि ऐसे सभी जरूरतमंदों

को तत्काल गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी मनीष सिंह को निर्देशित किया कि शादी-विवाह जैसे विशेष अवसरों के लिए सिलेंडर लेने वालों का अलग से रजिस्टर तैयार किया जाए, ताकि भविष्य में किसी को परेशानी न हो।जिलाधिकारी के इस औचक निरीक्षण से स्पष्ट है कि प्रशासन अब आम जनता की सुविधाओं को लेकर पूरी तरह गंभीर है।

आज से शुरू होगा 'दस्तक अभियान'घर-घर जाएगी टीम

आशा कार्यकत्रियों को दिया गया प्रशिक्षण, बुखार में लापरवाही पड़ सकती है भारी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली । संचारी रोगों से बचाव के लिए आज से 'दस्तक अभियान' की शुरुआत होने जा रही है। 10 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करेंगी।

गुरुवार को 300 शैय्या चिकित्सालय में करीब सभी आशा कार्यकत्रियों को प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें उन्हें संचारी रोगों की पहचान, बचाव और इलाज के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि हर साल यह 21 दिवसीय अभियान चलाया जाता है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि बुखार को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है, इसलिए समय पर जांच बेहद जरूरी है। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. प्रशांत रंजन के अनुसार, इस अभियान के दौरान बुखार, टीबी, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया और कालाजार जैसे रोगों के संभावित मरीजों की पहचान की जाएगी। साथ ही कुपोषित बच्चों को भी चिन्हित कर उनका डेटा ई-कवच पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा।

अभियान के तहत मच्छरों के प्रजनन स्थलों की भी जांच की जाएगी और जरूरत पड़ने पर सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। अर्बन नोडल अधिकारी डॉ. अजमेर सिंह ने बताया कि इस बार भीषण गर्मी को देखते हुए हीट वेव से बचाव पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। लोगों को लू के लक्षण, बचाव और प्राथमिक उपचार के बारे में जागरूक किया जाएगा।इसके अलावा, हर परिवार के सदस्यों का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट यानी आभा नंबर भी बनाया जाएगा, जिससे स्वास्थ्य संबंधी जानकारी डिजिटल रूप से सुरक्षित रखी जा सके। स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि जब आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उनके घर आएं, तो सही जानकारी देकर इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें।

जलभराव से नाराज़ महिलाएं, पहुंची नगर निगम , किया प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सिकलापुर क्षेत्र में नाले और नालियों की सफाई न होने से उत्पन्न जलभराव की समस्या को लेकर गुरुवार को महिलाओं का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाएं नगर निगम कार्यालय पहुंचीं और नगर आयुक्त से मिलकर अपनी समस्या रखी। महिलाओं का कहना है कि क्षेत्र की गलियों में लंबे समय से जलभराव बना हुआ है। नालियां जाम हैं और

सड़कें उखड़ी पड़ी हैं, जिससे आवागमन में भारी दिक्कत हो रही है। उन्होंने बताया कि कई घरों में शादी समारोह और मेहमानों के आने का सिलसिला चल रहा है, लेकिन गंदे पानी और कीचड़ के कारण हालात बदतर हो गए हैं। नगर आयुक्त से मुलाकात के दौरान महिलाओं ने जल्द से जल्द सफाई और मरम्मत कार्य कराने की मांग की। हालांकि, संतोषजनक समाधान न मिलने पर वे उप नगर स्वास्थ्य अधिकारी से भी मिलने पहुंचीं और अपनी शिकायत दर्ज कराई। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो वे नगर निगम के खिलाफ धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

भूमाफियाओं के विरूद्ध की गई कड़ी कार्यवाही से पीड़ितों को मिला न्याय

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत -जमीन का विवाद सदियों से जगजाहिर रहा है। एक देश दूसरे देश को जीतता था तो उस देश की पूरी भूमि का हक विजेता देश की हो जाती थी। जमीन ऐसी सम्पदा रही जो व्यक्तियों के लिए खाने के लिए अन्न, पशुओं को चारा आदि सभी प्राकृतिक व भौतिक वस्तुओं का उत्पादन करती रही, साथ ही जमीन के मालिकाना हक से व्यक्ति की आर्थिक स्थिति और सामाजिक सम्पन्नता आंकी जाती थी। भूमि की महत्ता हर काल में रही है। आज भी भूमि की बड़ी महत्ता है। वह भूमि चाहे खेती, बागवानी या आवासीय हो, सभी जमीन की सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक महत्ता है। समाज में हर तरह के लोग रहते हैं। गरीब, मध्यवर्ग, अमीर वर्ग और अच्छे, बुरे लोग भी हैं। प्रदेश में कई दबंग, गुण्डे आदि लोगों ने गरीबों, अनुसूचित जातियों, कमजोर वर्गों, ग्राम समाज व सरकारी शहरी जमीनों पर अवैध कब्जा कर अपना हक बना लिया था। हजारो एकड़ जमीन पर अवैध कब्जा कर लोग मालामाल हो रहे थे।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने गरीबों कमजोरों और ग्राम पंचायत, शहरी जमीनों, सार्वजनिक सम्पत्तियों पर अवैध कब्जा करने वालों के विरूद्ध पूरे प्रदेश में एण्टी भू-माफिया टास्क फोर्स का गठन करते हुए एण्टी भू-माफिया अभियान चलाया। प्रदेश में सार्वजनिक सम्पत्तियों पर हुये अवैध कब्जों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही कराये जाने हेतु 1 मई, 2017 द्वारा चार स्तरीय-राज्य, मण्डल, जनपद एवं तहसील स्तरीय एण्टी भू-माफिया टास्क फोर्स का गठन किया गया है। प्रदेश में अवैध कब्जे से सम्बन्धित शिकायतों को ऑनलाइन दर्ज किये जाने एवं कृत कार्यवाही का प्रभावी अनुश्रवण किये जाने हेतु एण्टी भू-माफिया पोर्टल का विकास किया गया है, जिसमें दर्ज शिकायतों पर सम्यक कार्यवाही करते हुए वैधानिक कार्यवाही की गई है। प्रदेश में एण्टी भू-माफिया पोर्टल पर अवैध कब्जे से सम्बन्धित कुल 4.22 लाख शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से सभी शिकायतें निस्तारित करते हुए वास्तविक भूमालिकों को कब्ज़ा दिलाया गया। प्रदेश में चलाये गये एण्टी भू-माफिया अभियान के अन्तर्गत कुल 72,029.46 हेक्टेयर क्षेत्रफल अवैध अतिक्रमण से अवमुक्त कराया गया है। प्रदेश में चलाये गये इस अभियान के अन्तर्गत 24892 राजस्व वाद, 1135 सिविल वाद व 4742 एफ0आई0आर0 दर्ज करायी गयी है। 1331 अतिक्रमणकर्ताओं को भू-माफिया के रूप में चिन्हित किया गया है, वर्तमान में 211 भू-माफिया जेल में निरूद्ध हैं। प्रदेश में इस अभियान के तहत 1165 अतिक्रमणकर्ताओं के विरुद्ध भारतीय दण्ड संहिता के अन्तर्गत, 259 के विरूद्ध दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत, 06 के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत, 86 के विरूद्ध गैंगस्टर एक्ट के अन्तर्गत, 319 के विरूद्ध गुण्डा एक्ट के अन्तर्गत तथा 3213 के विरूद्ध अन्य धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही की गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी द्वारा भू-माफियों के विरूद्ध चलाये गये इस अभियान से वास्तविक मालिकाना हक वाले गरीबों, अनुसूचित जातियों, कमजोरों, महिलाओं सहित आम जनता द्वारा प्रदेश सरकार की प्रशंसा की जा रही है। भू-माफियाओं के विरूद्ध की गई कड़ी वैधानिक कार्यवाही से पीड़ित सहित समाज के लोग प्रदेश सरकार की सराहना कर रहे हैं

फार्मर आईडी अनिवार्य, बिना पहचान पत्र नहीं मिलेगा योजनाओं का लाभ

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत । जनपद के किसानों के लिए फार्मर आईडी (किसान पहचान पत्र) अब अनिवार्य कर दी गई है। जिला कृषि अधिकारी नरेन्द्र पाल ने बताया कि 1 मई 2026 से बिना फार्मर आईडी के किसानों को उर्वरक, बीज, कीटनाशी, कृषि यंत्र, पीएम किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसलों की खरीद का लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि जिले में अभी लगभग 20 प्रतिशत किसानों ने फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है। ऐसे किसानों को 30 अप्रैल 2026 तक हर हाल में अपनी फार्मर आईडी बनवानी होगी। इसके लिए कृषि एवं राजस्व विभाग द्वारा 6 अप्रैल से 15 अप्रैल तक विभिन्न गांवों में कैम्प लगाए जा रहे हैं। किसान जनसेवा केन्द्रों के माध्यम से भी अपनी आईडी बनवा सकते हैं। इसके अलावा उद्यान, सिंचाई, खाद्य एवं रसद, सहकारिता, पशुपालन, मत्स्य एवं लघु सिंचाई विभाग की योजनाओं का लाभ भी अब केवल फार्मर आईडी धारक किसानों को ही मिलेगा। प्रशासन ने सभी किसानों से समय रहते फार्मर आईडी बनवाने की अपील की है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

स्वार विधायक शफीक अहमद के बेटे का फिर वीडियो वायरल, दरबान के अंदाज में सिपाही खोल रहे गाड़ी का दरवाजा

स्वार विधायक शफीक अहमद अंसारी के बेटे उमैर अंसारी का एक और वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें एक सिपाही उनकी कार का दरवाजा खोलता दिख रहा है। सोशल मीडिया पर सुरक्षा कर्मियों के दुरुपयोग को लेकर सवाल उठने लगे हैं। विधायक के स्वार से अपना दल एस के विधायक शफीक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा निकलकर अपनी कार के पास पहुंचते हैं तो दरबान गाड़ी का दरवाजा खोलता है।विधायक पुत्र के स्वार बैठने की वीडियो क्लिप से शुरू हुई चर्चाएं थमने मीडिया पर कमेंट का सिलसिला शुरू हो गया है। लिखा है कि यह हैं स्वार-टांडा विधानसभा क्षेत्र से अंसारी।इनकी सुरक्षा में दो सुरक्षा कर्मी लगे हैं, जो गाड़ी में बैठा रहे हैं। क्या यह आधिकारिक रूप से की सुरक्षा में नियुक्त किए गए सुरक्षा कर्मी हैं, यह आम जनता के बीच माहौल बनाने के लिए इनका विनम्रता पूर्वक आग्रह है पुलिस अधीक्षक महोदय करें।दूसरी ओर, विधायक शफीक अहमद अंसारी एआई से बना हुआ वीडियो है। बेटे के सीएचसी के

पास सीएचसी की समस्याएं आईं थीं। कहा- मैंने ही बेटे को वहां भेजा था। सीएचसी प्रभारी ने सम्मान में दूसरी कुर्सी पर बैठने का आग्रह किया तो वह दूसरी कुर्सी पर बैठ गए। वह प्रभारी की कुर्सी पर नहीं बैठे।विधायक पुत्र के कुर्सी पर बैठकर दिशा निर्देश देने के मामले में सीएचसी प्रभारी से पूछताछ- विधायक पुत्र उमैर अंसारी के सीएचसी प्रभारी की कुर्सी पर बैठकर दिशा निर्देश देने के मामले में दो सदस्यीय टीम ने स्वार सीएचसी पहुंकर करीब एक घंटे तक प्रभारी से बंद कमरे में पूछताछ की। बुधवार को दो सदस्यीय टीम में पहुंचे डॉ. आरके वर्मा और डॉ. सत्यमूर्ति तोमर ने स्वार सीएचसी प्रभारी डॉ. राजीव कुमार चंदेल से बंद कमरे में पूछताछ की। जांच के बाद टीम के सदस्यों से जानकारी मांगी गई तब उन्होंने बताया कि जांच की गई है। रिपोर्ट सीएमओ को प्रेषित की जाएगी। गौरतलब है कि तीन अप्रैल को स्वार विधायक शफीक अहमद अंसारी के बेटे उमैर अंसारी सीएचसी पहुंचे थे। इस दौरान उनके साथ पुलिस बल भी मौजूद था। वहां पर सीएचसी प्रभारी की कुर्सी बैठकर दिशा निर्देश देते हुए विधायक पुत्र का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। इस मामले में सीएमओ डॉ. दीपा सिंह ने दो सदस्यीय कमेटी गठित कर जांच शुरू करा दी थी। मामले को तोड़ मरोड़कर विरोधियों ने अनावश्यक रूप से तूल दिया है। मैं उस दिन बाहर था, इसलिए मरीजों से मिली शिकायतों की जानकारी लेने के लिए अपने बेटे को भेजा था, न कि किसी प्रकार का औपचारिक निरीक्षण कराया गया। यदि कोई उनके बेटे का सम्मान करता है तो इसमें किसी को क्या दिक्कत है। - शफीक अहमद अंसारी, विधायक स्वार

तालाब में डूबने से छह वर्षीय मासूम की मौत, 20 घंटे बाद मिला शव, देखते ही बिलख पड़े परिजन

नौगावां सादात में डूबने से छह साल की बच्चे की जान चली गई। उसकी खोजबीन में दो दिन से एसडीआरएफ की टीम लगी थी। शव को बाहर निकालते ही परिजन बिलख पड़े।नौगावां सादात थानाक्षेत्र के गांव बीलना में छह वर्षीय मासूम आतिफ की घंटे तक चली खोजबीन के बाद बृहस्पतिवार को से बरामद कर लिया। घटना के बाद परिवार में जलालुद्दीन उर्फ जलाल कबाड़ का काम करते हैं। तीन बेटे हैं। तीन बेटों में मंझला बेटा आतिफ पास साइकिल चला रहा था। खेलते-खेलते वह घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू रात करीब दस बजे उसकी साइकिल गांव के जिससे अनहोनी की आशंका गहरा गई। सूचना परिजनों के साथ रातभर बच्चे की तलाश करती को बुलाया गया। सीओ अवधभान सिंह भदौरिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। करीब दो तालाब से आतिफ का शव बरामद कर लिया।मासूम

तालाब में डूबकर मौत हो गई। करीब 20 एसडीआरएफ ने बच्चे का शव को तालाब कोहराम मचा हुआ है।गांव निवासी उनके परिवार में पत्नी उजमा के अलावा बुधवार दोपहर करीब एक बजे घर के अचानक लापता हो गया।काफी देर तक की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। देर बाहर स्थित तालाब के किनारे खड़ी मिली, मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रही। बृहस्पतिवार सुबह एसडीआरएफ टीम और प्रभारी निरीक्षक बालेंद्र यादव भी घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद टीम ने की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मां उजमा का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों के मुताबिक दो साल पहले आतिफ की बहन की भी बीमारी से मौत हो चुकी है। सीओ अवधभान भदोरिया ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में बच्चा तालाब की ओर जाते हुए दिखाई दिया है और प्रथमदृष्टया मामला डूबने का लग रहा है। परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पवन खेड़ा ने CM हिमंत सरमा पर फिर साधा निशाना, पत्नी के बाद भाई के विदेशी लिंक पर उठाए सवाल

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने बुधवार को एक बार फिर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके परिवार के खिलाफ विदेश में संपत्ति होने से संबंधित नए आरोप लगाए और कहा कि वह राहुल गांधी के सिपाही हैं और बिना डरे सवाल पूछते रहेंगे।असम चुनाव से पहले मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के बीच जारी आरोप-प्रत्यारोप का दौर जोर पकड़ता जा रहा है। इस क्रम में पवन खेड़ा ने बुधवार को एक बार फिर सीएम सरमा और उनके परिवार के कथित विदेशी लिंक को लेकर निशाना साधा। खेड़ा ने फिर उठाया विदेशी लिंक का मुद्दा- कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पवन खेड़ा का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो असम मुख्यमंत्री और उनके परिवार से जुड़े विदेशी लिंक पर सवाल उठाते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने इस वीडियो के साथ लिखा कि मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा एक अज्ञात स्थान से असम के भ्रष्ट मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के लिए नए खुलासे और कुछ और सवाल लेकर आए हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा गंभीर भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे हुए हैं। बजाए सवालों का जवाब देने के अपनी पुलिस की धौंस दिखा रहे हैं।कांग्रेस ने कहा कि पवन खेड़ा पार्टी के मजबूत सिपाही हैं, वो इन गीदड़ भभकियों से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने आपसे पहले भी सवाल पूछे हैं, आज और भी नए सवालों के साथ आपके सामने हैं। हिम्मत है तो जवाब दीजिए, पुलिस के पीछे छिपकर और अमर्यादित भाषा बोलकर कुछ होगा नहीं। असम की जनता आपका सारा कच्चा चिट्ठा जान चुकी है। कल आपके खिलाफ फैसला सुनाएगी। वहीं, पवन खेड़ा ने वीडियो में कहा कि पिछले दो दिनों से असम के मुख्यमंत्री और पुलिस मेरे खिलाफ अलग-अलग हथकंडे अपना रहे हैं। दिल्ली स्थित मेरे फ्लैट पर मेरी और मेरे परिवार की गैर-मौजूदगी में पुलिस ने छापेमारी की। इस दौरान पुलिस वाले मेरे घर से फोन और लैपटॉप समेत कुछ उपकरण उठाकर ले गए। अब मैं जहां भी जाता हूं, ये मेरे पीछे पुलिस भेज रहे हैं।उन्होंने कहा कि हमने सवाल पूछने के अलावा कोई गुनाह तो नहीं किया। बड़ा सवाल यह है कि भाजपा मुझे और मेरी पार्टी को चुप क्यों कराना चाहती है, बजाय इसके कि उनको सवालों का जवाब देने में क्या परेशानी है। अगर उनको लगता है कि हम डर जाएंगे तो यह उनका मुगालता है। मैं मेवाड़ का रहने वाला हूं, कांग्रेसी हूं और राहुल गांधी का सिपाही हूं। ऐसे में डरने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता।उन्होंने कहा कि क्योंकि मुझे बोलते रहना है और सवाल पूछते रहना है, इसलिए मैं आपकी पुलिस को जरूर अवॉइड कर रहा हूं। लेकिन जो कागज हमारे पास आए और लोगों ने हमें बताए... वो हमने आप सबके साथ साझा किए हैं। हालांकि माना जा रहा था कि आप जांच बैठाएंगे, लेकिन आपने पुलिस छोड़ दी। उन्होंने कहा कि हमारे पार्टी अध्यक्ष, जिनका राजनीतिक अनुभव आपकी उम्र से ज्यादा है... उनके खिलाफ ऐसे अपशब्द असम के लोग बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि रिनिकी सरमा के नाम से कुछ और संदेहास्पद जानकारियां निकलकर आई हैं, जिनकी जांच होनी चाहिए। जो-जो जानकारियां हमारे पास आ रही हैं, हम उन्हें आपके साथ साझा कर रहे हैं।सरमा के भाई पर भी लगाए आरोप -कांग्रेस नेता ने सवाल उठाते हुए कहा कि इजिप्ट का पासपोर्ट, गोल्डन वीजा ऑफ यूएई और एंटीगुआ का पासपोर्ट असली है या नकली, इसकी जांच होनी चाहिए। क्या आपने या आपके परिवार के किसी सदस्य या किसी एजेंट ने फेक केवाईसी दस्तावेज के जरिए ये सेल कंपनियां खोलीं और संपत्ति खरीदी, इसकी भी जांच होनी चाहिए। सवाल पूछना हमारा कर्तव्य है। केंद्र सरकार का कर्तव्य इन मामलों की जांच करना है।उन्होंने कहा कि सीएम सरमा का भाई असम पुलिस में है, उनकी पत्नी और बेटे दुबई में रहते हैं। उनका बच्चा दुबई इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ता है, जिसकी फीस 21 लाख सालाना है। क्या यह सच है? हम राजनीति में परिवार को टारगेट नहीं करना चाहते, लेकिन बस इस सवाल का जवाब चाहते हैं। क्योंकि आप चुनाव को देख रहे हैं और हम असम के लोगों और उनकी उम्मीदों को देख रहे हैं।

डिलारी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, मुठभेड़ में गौकशी से जुड़े 3 आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ डिलारी / मुरादाबाद जनपद के थाना डिलारी पुलिस ने चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में गौकशी से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे 8 अप्रैल 2026 को चेकिंग के दौरान संदिग्ध जवाब में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी, जिन्हें गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुलाम थाना भगतपुर जनपद मुरादाबाद, मोईन पुत्र जनपद मुरादाबाद, व मौ0 शकील पुत्र मौ0 के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने 7 अप्रैल को बृहद जंगल ग्राम ततारपुर में को बेचने के लिए जा रहे थे। , तभी पुलिस

विशेष अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, व्यक्तियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके आरोपियों को पकड़ लिया। मुठभेड़ के दौरान दो तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। मोहम्मद पुत्र जमील अंसारी निवासी ग्राम चाँदपुर रहीश निवासी ग्राम तुमडिया कला थाना डिलारी शकूर नि0 दौलपुरी थाना भगतपुर जनपद मुरादाबाद बताया कि उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर गोवंशीय पशु का वध किया था तथा उसके मीट ने उन्हें पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही, तीनों का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिसमें कई गंभीर मामलों में पहले से मुकदमे दर्ज हैं। तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है । इस कार्रवाई में थाना डिलारी पुलिस टीम के कई अधिकारियों और जवानों की अहम भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में अपराध के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

नई टाउनशिप को 50 फीसदी सीड कैपिटल की मंजूरी

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली के औद्योगिक परिदृश्य को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। बुधवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की प्रस्तावित नई औद्योगिक टाउनशिप को हरी झंडी दे दी गई। मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण एवं नए प्रोत्साहन योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया गया। परियोजना के लिए भूमि क्रय करने पर कुल धनराशि का 50 प्रतिशत हिस्सा शासन की ओर से सीड कैपिटल के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। यह नई औद्योगिक टाउनशिप दिल्ली हाईवे से सटे क्षेत्रों में विकसित होनी है। इसके लिए तहसील सदर के ग्राम रसूला चौधरी और तहसील मीरगंज के ग्राम भिटौरा नौगंवा उर्फ फतेहगंज पश्चिमी, चिटौली व रहपुरा जागीर की कुल 126.3043 हेक्टेयर भूमि को चिह्नित किया जा चुका है। अधिकारियों का कहना है कि जमीन का अधिग्रहण भू-स्वामियों से आपसी सहमति के आधार पर किया जाएगा, जिसके लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता वाली क्रय निर्धारण समिति पहले ही मुहर लगा चुकी है। बीडीए उपाध्यक्ष डॉ. ए मनिकन्डन ने कहा कि दिल्ली हाईवे पर इस टाउनशिप के विकसित होने से न केवल बड़े निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। यह परियोजना बरेली को एक प्रमुख इंडस्ट्रियल हब के रूप में स्थापित करेगी, जिससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी।

अतिक्रमण अभियान के खिलाफ सपा का प्रदर्शन ,कहा कार्रवाई पर पक्षपात

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। नगर निगम द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण अभियान के विरोध में समाजवादी पार्टी के नेता सड़क पर उतर आए। पूर्व मेयर सुप्रिया एरन, राजेश अग्रवाल, डॉ अनीस

बैग, पार्षद गौरव सक्सेना, रविन्द्र यादव और शमीम सुल्तानी समेत तमाम नेताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। गुरुवार को कोहाड़ापीर रोड स्थित सपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता इक्कठा हुए। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने नगर निगम की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में पक्षपात किया जा रहा है। उनका कहना था कि एक विशेष समुदाय के लोगों को निशाना बनाया जा रहा है और उनके भवनों को तोड़ने में अधिकारी विशेष रुचि दिखा रहे हैं। सपा नेताओं ने मांग की कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जाए। हालांकि, इस प्रदर्शन के दौरान पार्टी के भीतर गुटबाजी भी साफ देखने को मिली। कई नेता अलग-अलग समूहों में खड़े नजर आए और सामूहिकता का अभाव दिखा। प्रदर्शन के बाद सभी नेता वापस लौट गए।

बरेली में अतिक्रमण पर सख्ती, नगर निगम ने फिर लगाए लाल निशान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सीएम ग्रिड योजना के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज कर दी गई है। इसी क्रम में नगर निगम की टीम गुरुवार को मौके पर पहुंची और अतिक्रमण चिन्हित करने का काम शुरू किया। टीम द्वारा फीता डालकर जमीन की पैमाइश की जा रही है और पहले से चिन्हित स्थानों पर दोबारा लाल निशान लगाए जा रहे हैं। कोहाड़ापीर चौक से धर्मकांटा चौराहे तक अतिक्रमण को चिन्हित किया जा रहा है। इस दौरान निर्माण विभाग, मानचित्रकार और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम मौजूद रही, जिसने सीमाओं का निर्धारण किया। अधिकारियों ने स्पष्ट रूप से अतिक्रमण करने वालों को चेतावनी दी है कि वे निर्धारित समय के भीतर स्वयं ही अवैध निर्माण हटा लें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो नगर निगम द्वारा बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया जाएगा। नगर निगम की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

राष्ट्रीय प्रजापति महासभा ने राम सिंह प्रजापति को बनाया बरेली का जिलाध्यक्ष

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। राष्ट्रीय प्रजापति महासभा की मजबूती एवं प्रजापति समाज के विकास के लिए राम सिंह प्रजापति को बरेली का जिलाध्यक्ष बनाया गया है। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष दारा सिंह प्रजापति कहा कि मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है रामसिंह प्रजापति इस नियुक्ति से महासभा का संगठन मजबूत होगा। वहीं प्रजापति समाज के लिए कल्याणकारी कार्यों में आपका महत्वपूर्ण सहयोग मिलेगा । इस अवसर पर प्रजापति समाज के अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

फर्रुखाबाद नगर पालिका का 137 करोड़ का बजट पास; विकास कार्यों पर खर्च होंगे 46 करोड़।

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक पालिका परिसर में हुई। पालिकाध्यक्ष वत्सला अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कुल 137 करोड़ रुपये के प्रस्तावों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। इसमें निर्माण, जलकल और पथप्रकाश पर 46 करोड़ रुपये, जबकि कर्मचारियों के वेतन और पेंशन पर 91 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रावधान है। बैठक के दौरान सभासदों ने कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। फतेहगढ़ के सभासद अनिल तिवारी ने शहर में बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की। इस पर पालिकाध्यक्ष ने बताया कि वन विभाग द्वारा बंदरों को पकड़वाने की व्यवस्था की जाएगी। एक अन्य सभासद ने मृत जानवरों को उठवाने के बदले कर्मचारियों द्वारा पैसे मांगने का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार वीडियो बनाकर मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक और स्वयं पालिकाध्यक्ष को भेजा गया है। पालिकाध्यक्ष वत्सला अग्रवाल ने इस मामले को गंभीरता से दिखवाने का आश्वासन दिया।पालिकाध्यक्ष ने यह भी बताया कि 20 अप्रैल के बाद कर का निर्धारण कर दिया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों के परिजनों को मिलने वाली पेंशन में 15 प्रतिशत वृद्ध मां को भी देने की बात कही। सभी प्रस्तावों को पढ़कर सुनाया गया और उन पर सर्वसम्मति से मुहर लगा दी गई। बैठक में ईओ विनोद कुमार सहित अन्य कर्मचारी और सभासद उपस्थित रहे। हालांकि इस दौरान सभासदों ने मुद्दे भी उठाए।

कायमगंज में दर्दनाक हादसा: पति-पत्नी के विवाद ने उजाड़ा घर, ट्रेन के आगे कूदकर सोहेल ने तोड़ी दम

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद -कायमगंज रेलवे स्टेशन पर गुरुवार की सुबह एक हृदयविदारक घटना घटी, जहाँ एक 35 वर्षीय युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। मृतक की पहचान अताईपुर निवासी सोहेल (पुत्र अजीम) के रूप में हुई है। प्राथमिक जांच में आत्महत्या का कारण पारिवारिक तनाव और आपसी विवाद बताया जा रहा है। घटना का विवरण- प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोहेल गुरुवार सुबह रेलवे स्टेशन पहुँचा था। जैसे ही कासगंज-कानपुर एक्सप्रेस प्लेटफॉर्म पर आई, उसने अचानक पटरी पर छलांग लगा दी। हालांकि ट्रेन चालक ने युवक को देखते ही तुरंत इमरजेंसी ब्रेक लगाए, लेकिन तब तक सोहेल गंभीर रूप से घायल हो चुका था। मौके पर मौजूद जीआरपी चौकी प्रभारी बशीर अहमद और आरपीएफ हेड कांस्टेबल ज्ञानेंद्र सिंह ने तत्काल घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया, जहाँ चिकित्सक डॉ. विपिन कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों के बीच तीखी नोकझोंक- सोहेल की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल में परिजनों का जमावड़ा लग गया। जब मृतक की पत्नी असमावहां पहुँची, तो सोहेल के भाइयों (आमिर, खुशहाल, सैफी और यूसुफ) ने उसका कड़ा विरोध किया। भाइयों का आरोप है कि पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। अस्पताल परिसर में तनाव बढ़ते देख वहां मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। विवाद की संभावित वजह- परिजनों ने बताया कि सोहेल जयपुर में दर्जी (टेलर) का काम करता था और ईद की छुट्टियों में घर आया था। पिछले पांच दिनों से वह अपनी ससुराल %गढ़ी% में था और बुधवार शाम को ही वापस लौटा था। भाइयों के अनुसार- असमा अपने पति के साथ जयपुर जाने की जिद कर रही थी। इसी बात को लेकर दोनों के बीच काफी कहासुनी और विवाद हुआ इसी मानसिक तनाव के कारण सोहेल ने आत्मघाती कदम उठाया।पत्नी का पक्ष और पुलिस कार्रवाई-दूसरी ओर, मृतक की पत्नी असमा ने रोते हुए इन आरोपों को नकारा है। उसका कहना है कि उनके बीच कोई लड़ाई नहीं हुई थी। पुलिस प्रशासन का बयान-जीआरपी उपनिरीक्षक बशीर अहमद ने जानकारी दी कि अस्पताल प्रशासन से मेमो प्राप्त होने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। पंचनामा की औपचारिकताएं पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।

फर्रुखाबाद का गौरव: प्रदेश भर में 9वीं रैंक हासिल कर शिवानी मिश्रा ने बढ़ाया जिले का मान

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /फारूखाबाद कायमगंज- इरादे अगर फौलादी हों, तो सीमित संसाधन भी सफलता की राह में रुकावट नहीं बन सकते। इस बात को सच कर दिखाया है कायमगंज क्षेत्र के रूटौल गांव की रहने वाली शिवानी मिश्रा ने। एक साधारण किसान की इस होनहार बेटी ने बिना किसी कोचिंग का सहारा लिए, अपने पहले ही प्रयास में समीक्षा अधिकारी (RO) की प्रतिष्ठित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। 5 अप्रैल को घोषित हुए परीक्षा परिणामों में शिवानी ने चयनित अभ्यर्थियों की सूची में 9वां स्थान हासिल कर पूरे जिले का नाम रोशन किया है।साधारण परिवार, असाधारण सपने-शिवानी के पिता विमल मिश्रा पेशे से एक किसान हैं और उनकी माता ममता मिश्रा एक गृहिणी हैं, जिन्होंने महज कक्षा 8 तक की शिक्षा प्राप्त की है। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद सामान्य है, लेकिन माता-पिता ने कभी भी बेटी की शिक्षा में इसे बाधा नहीं बनने दिया। उनकी इसी प्रेरणा और सहयोग ने शिवानी को इस मुकाम तक पहुंचने का हौसला दिया। गांव के स्कूल से की शुरुआत, 8-10 घंटे की सेल्फ-स्टडी-शिवानी की प्रारंभिक शिक्षा उनके गांव के ही विद्यालय में हुई। वे शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी थीं; उन्होंने हाईस्कूल में 86 प्रतिशत और इंटरमीडिएट में 79 प्रतिशत अंक हासिल किए थे। बीएससी की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी। सबसे खास बात यह रही कि शिवानी ने किसी महंगे कोचिंग संस्थान का रुख करने के बजाय सेल्फ-स्टडी पर भरोसा जताया। उन्होंने घर पर ही रहकर रोजाना 8 से 10 घंटे तक कड़ी मेहनत की। अपनी रणनीति को सही दिशा देने के लिए उन्होंने टेलीग्राम पर एक स्टडी ग्रुप का सहारा लिया। संघर्ष की राह में मिला अपनों का साथ- इस चुनौतीपूर्ण सफर में शिवानी को कई लोगों का महत्वपूर्ण सहयोग मिला। दीपपुर नगरिया के रहने वाले मुनेशपाल ने उन्हें आर्थिक और मानसिक रूप से संबल प्रदान किया। वहीं, रानीपुर गौर की रहने वाली उनकी पूर्व सहपाठी शिवानी यादव ने भी आर्थिक मदद और मनोबल बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, इलाहाबाद के शिक्षक इंद्रेश कुमार ने टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से शिवानी को लगातार सही मार्गदर्शन और प्रेरणा दी। पूरे क्षेत्र के लिए बनीं प्रेरणास्रोत- बेटी की इस अपार सफलता की खबर जैसे ही गांव में फैली, उनके घर पर बधाई देने वालों का तांता लग गया। गर्व से अभिभूत पिता विमल मिश्रा का कहना है कि उन्हें अपनी बेटी की मेहनत और लगन पर हमेशा से पूरा भरोसा था। आज शिवानी की यह शानदार सफलता पूरे क्षेत्र के युवाओं, और विशेषकर उन बेटियों के लिए एक बड़ी मिसाल बन गई है, जो संसाधनों के अभाव में अपने सपनों से समझौता कर लेती हैं।

फार्मर रजिस्ट्री में घोर लापरवाही, 333 कर्मचारियों पर गिरी गाज, 54 लेखपालों का वेतन रुका

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /जिले में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री आईडी बनाने के काम में घोर लापरवाही का मामला सामने आया है। प्रशासन ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए मुख्य विकास अधिकारी (CDO) के निर्देश पर 333 कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के आदेश दिए हैं। वहीं, कार्य में शून्य प्रगति (Zero Progress) पाए जाने पर जिलाधिकारी (DM) आशुतोष कुमार द्विवेदी ने 54 लेखपालों का एक दिन का वेतन भी रोक दिया है। अभियान में शामिल थे कई विभाग- मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार गौड़ ने इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए राजस्व विभाग, कृषि विभाग, डीसी मनरेगा और डीपीआरओ (DPRO) को पत्र जारी कर दिए हैं। गौरतलब है कि जिले में फार्मर रजिस्ट्री बनाने का कार्य एक विशेष अभियान के तहत चलाया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्य को समय पर पूरा करने के लिए पंचायती राज विभाग, मनरेगा, राजस्व और कृषि विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी।समीक्षा बैठक में खुली पोल, इन कर्मचारियों की प्रगति रही शून्य- हाल ही में जब मुख्य विकास अधिकारी ने कार्यों की समीक्षा की, तो पाया कि 333 कर्मचारियों द्वारा किए गए कार्य की प्रगति पूरी तरह से शून्य है। इन निष्क्रिय कर्मचारियों में मुख्य रूप से शामिल हैं- 212 पंचायत सहायक 57 लेखपाल 32 ग्राम पंचायत सचिव 24 रोजगार सेवक 08 कृषि विभाग के कर्मचारी इन क्षेत्रों के लेखपालों पर गिरी गाज- CDO ने डीसी मनरेगा को निष्क्रिय पाए गए 24 रोजगार सेवकों के खिलाफ तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। दूसरी ओर, 7 अप्रैल की समीक्षा रिपोर्ट में शून्य प्रगति मिलने पर डीएम द्वारा जिन 54 लेखपालों का एक दिन का वेतन रोका गया है, उनका तहसील-वार विवरण इस प्रकार है- तहसील सदर- 26 लेखपाल तहसील कायमगंज 25 लेखपाल अमृतपुर क्षेत्र- 3 लेखपाल प्रशासन की इस सख्त कार्रवाई से संबंधित विभागों के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

स्मार्ट मीटर या मुसीबत का मीटर? रिचार्ज के बाद भी घरों में छाया अंधेरा, फूटा उपभोक्ताओं का गुस्सा।

क्यूँ न लिखूँ सच/ श्याम जी कश्यप /फर्रुखाबाद - शमसाबाद क्षेत्र में इन दिनों नए स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए सुविधा के बजाय परेशानी का कारण बन गए हैं। तकनीकी समस्याओं के चलते पिछले कई दिनों (8 अप्रैल 2026 से) क्षेत्र के कई अस्त-व्यस्त हो गया है। परेशान उपभोक्ताओं ने विद्युत रिचार्ज के बाद भी पसरा है अंधेरा-स्थानीय निवासियों घरों में बिजली सुचारू नहीं हो पा रही है। शमसाबाद ने बताया कि उन्होंने इस समस्या को लेकर विद्युत समाधान नहीं निकला। चौखंडा निवासी एक महिला अपनी शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि में बैलेंस भी है, फिर भी उनके घर की आपूर्ति काट दी और शिकायतों पर शमसाबाद के अवर अभियंता (जेई) अधिकांश नए स्मार्ट मीटरों को अब प्रीपेड सिस्टम में अपने मीटर में भी पर्याप्त बैलेंस बनाए रखना जरूरी है। रिचार्ज करते हैं, बिजली आपूर्ति स्वत: ही बहाल हो जाती है। तकनीकी खामियों पर टीम कर रही काम-बैलेंस होने के बावजूद बिजली न आने की शिकायतों पर जेई जुनैद आलम ने आश्वासन दिया कि कुछ मीटरों में तकनीकी दिक्कतें आ सकती हैं। उन्होंने बताया कि जिन जगहों से तकनीकी समस्या की जानकारी मिल रही है, वहां फाल्ट को ठीक करने और समस्या के त्वरित समाधान के लिए विभागीय टीम को निर्देशित कर दिया गया है। फिलहाल, क्षेत्र के लोग इस उम्मीद में हैं कि विभाग जल्द ही इस तकनीकी खामी को दूर करेगा और उन्हें सुचारू रूप से बिजली मिल सकेगी।

संक्षिप्त समाचार

फर्जी आरोपों से मंडी स्वामी नाराज, कहा- छवि खराब करने की हो रही साजिश

क्यूँ न लिखूँ सच/ हम आपको लेकर चल रहे हैं उत्तर प्रदेश के जनपद बहराइच के भोगजोत स्थित सब्जी मंडी उपस्थल, जहां से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आ रही है। दरअसल, भोगजोत सब्जी मंडी के स्वामी ने मीडिया के सामने आकर एक अहम बयान दिया है। उन्होंने दूसरी मंडी के स्वामी द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को पूरी तरह से बेबुनियाद और असत्य बताया है। मंडी स्वामी का कहना है कि उनके प्रतिष्ठान की छवि को जानबूझकर खराब करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि इन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है और यह केवल अफवाह फैलाने का प्रयास है। इतना ही नहीं, उन्होंने चेतावनी भी दी है कि यदि उन पर लगाए जा रहे फर्जी आरोपों को तुरंत बंद नहीं किया गया, तो वे मजबूर होकर कानूनी कार्रवाई करने के लिए कदम उठाएंगे। अब देखना होगा कि इस पूरे मामले में आगे क्या मोड़ आता है और क्या संबंधित पक्ष इस विवाद को आपसी सहमति से सुलझा पाते हैं या मामला कानूनी दायरे तक पहुंचता है।फिलहाल के लिए इतनी ही जानकारी, ऐसे ही अपडेट्स के लिए क्यों ना लिखो सच पर देखते रहिए

2 साल से लापता नाबालिग बालिका को कोतवाली पुलिस ने सुरक्षित बरामद किया, आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ शिवपुरी। थाना कोतवाली पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए करीब दो वर्ष से लापता नाबालिग बालिका को सुरक्षित दस्तयाब कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी नवीन राठौर (22) निवासी मनियर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 22 दिसंबर 2024 को फरियादिया ने अपनी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री के घर (इंडस्ट्रियल एरिया, शिवपुरी) से बिना बताए कहीं चले जाने की रिपोर्ट थाना कोतवाली में दर्ज कराई थी। बालिका के नाबालिग होने के कारण पुलिस ने अपराध क्रमांक 792/24 धारा 137(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में टीआई रोहित दुबे के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने लगातार प्रयास, आसपास के लोगों से पूछताछ एवं साइबर सेल की मदद से बालिका की तलाश जारी रखी। आखिरकार 9 अप्रैल 2026 को बालिका को नानाखेड़ी (गुना) से सुरक्षित बरामद किया गया। पीड़िता के बयान के आधार पर प्रकरण में धारा 87, 64(2रू), 65(1) बीएनएस एवं 3/4, 5/6 पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाई गईं। बरामदगी के बाद बालिका को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया। अपनी बेटी को सुरक्षित पाकर परिजनों के चेहरे पर खुशी लौट आई। सराहनीय भूमिका- इस कार्रवाई में टीआई रोहित दुबे, उपनिरीक्षक भावना राठौर, सहायक उपनिरीक्षक प्रवीण त्रिवेदी, प्रधान आरक्षक गजेन्द्र परिहार, अवतार सिंह, जितेन्द्र रायपुरिया, विनय सिंह, आरक्षक आलोक व्यास (सायबर सेल), मोनिका धाकड़ एवं रचना राणा की विशेष भूमिका रही।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

The threat of seasonal flu, why does it take longer to recover now? A doctor offers important tips

With the change of seasons, influenza (flu) cases increase. It affects millions of people every year. Previously, people would recover within 3-4 days with standard medication, but now it's taking longer to recover. North India is experiencing rapid changes in weather these days. Sometimes rain, sometimes heat, and a slight drop in temperature as the evening approaches. This has been the case in Delhi-NCR and Uttar Pradesh for some time now. On Friday, the capital Delhi and Noida experienced light rain, while Saturday saw a return to bright sunshine and heat. This changing weather can make you sick. With the change of seasons, influenza (flu) cases increase. It affects millions of people every year. The flu virus remains active for a longer period of time in cold and dry environments and spreads easily from one person to another. According to the World Health Organization, seasonal flu causes millions of serious cases worldwide each year. In recent years, it has also been observed that patients are taking longer to recover than before. Previously, people would recover within 3-4 days with standard medication. Now, not only are recoveries taking longer, but the common cold and flu are also associated with a variety of other complications. Influenza Virus and Its Risk: When the weather is cold or dry, the influenza virus can survive longer in the air. The flu virus is spread by coughing, sneezing, or touching contaminated surfaces. Studies show that lower temperatures and humidity facilitate the spread of the virus. This is why flu cases tend to surge during winter or seasonal changes. The flu virus has undergone extensive changes in its nature over the past year or two, significantly increasing its complexities. New flu variants have raised concerns. In 2025, the spread of a new flu variant in several countries, including the United States and Canada, raised concerns among health experts. Scientists discovered several changes in the virus that may increase its infectiousness. Health experts noted that the most widespread subvariants of the influenza virus undergo slight changes each year. The most widespread variant is Subclade-K, a subtype of influenza A3N2. Subclade-K was first detected in Australia in July 2025. It was found to be responsible for up to 91.5% of infections in the United States. It was also responsible for the increase in cases in Canada. Getting an annual flu vaccine is essential. With the change in weather, there is a risk of flu infections increasing again. Dr. Virendra Agarwal, HOD, Internal Medicine, at a private hospital in the capital, Delhi, says, "The weather is gradually changing, which could lead to an increase in flu cases." High-risk groups, such as those over 65, children under five, pregnant women (up to two weeks after delivery), those with asthma and chronic obstructive pulmonary disease (COPD), cancer patients, HIV patients, and those with diabetes, heart disease, and kidney disease, need to take special precautions. Pay attention to personal hygiene: 90 percent of patients hospitalized with flu have at least one underlying health condition. Therefore, annual vaccination is crucial for these groups. Personal hygiene is crucial to prevent illness. Wash hands with soap for 20 seconds. Use alcohol-based hand sanitizer. Avoid touching your eyes, nose, or mouth with dirty hands. Use a tissue or your elbow when coughing or sneezing. Wear a mask in crowded places. Maintain at least six feet of distance from people who are sick.

Is Incognito Mode really safe? Learn which settings are essential to avoid data theft.

People often use Incognito Mode in their browsers, believing that no one can track them. If you think so, you should definitely read this article. Let's explore this in detail. In the internet world, people often use Incognito Mode. It's worth noting that many people believe that whatever they search in this mode is untracked. However, this belief is completely wrong. The truth is that Incognito Mode only prevents browsing history and cookies from being saved on your device. Today's new privacy updates and Google's legal documents have made it clear that your Internet service provider, your office or school, and even Google itself can see your activity. Relying on this mode alone is not enough to protect your digital identity. In this article, let's explore the limitations of Incognito Mode and the settings you should immediately change to prevent data theft. The truth about Incognito Mode and its limitations: This mode simply doesn't show your computer or phone history, so that no other member of the household can see your searches. Websites you visit in Incognito Mode can track your location and IP address. Furthermore, Google services can collect data about your activity to serve you ads. These settings are essential to prevent data theft: Always keep "Block third-party cookies" enabled in your settings. Enable this option in your browser's privacy settings to prevent websites from tracking you. Some advanced browsers have a "privacy sandbox," which prevents ads from being shown based on your search history. Use a VPN and secure browser: A reliable VPN completely encrypts your true location and IP address. Apart from Google Chrome, there are many browsers which are much better than Chrome in terms of privacy. Use secure DNS settings in your network so that no one can see your search queries. Smart tips for digital privacy- In today's digital age, privacy is becoming a myth, hence being cautious is the only way. Do not login in incognito mode thinking that no one can track what you are searching. From time to time, go to the 'My Activity' section of your Google account and delete old data. Keep in mind that nothing is completely free on the internet, your information is the most valuable product for companies.

Every minute is precious in case of a brain stroke. Learn how the FAST formula can be a lifesaver.

A stroke occurs when blood supply to a part of the brain is interrupted or a blood vessel ruptures. This is a life-threatening condition. However, with the help of the FAST formula, you can identify it early and save a life. Lifestyle and dietary imbalances have seriously harmed our health. Consequently, the risk of diabetes, high blood pressure, and heart-related diseases has increased significantly. Problems like heart attack and stroke are also becoming more common, resulting in millions of deaths each year. Experts consider stroke to be fatal in many cases. People who have recovered from a stroke also face the risk of paralysis and disability. The increase in stroke cases worldwide remains a serious public health problem. Lifestyle disorders such as lack of physical activity, prolonged sedentary work, and increased consumption of junk food and processed foods are making people more vulnerable to these diseases. Poor lifestyle habits lead to high blood pressure, which is a major cause of stroke. Health experts say the FAST formula can save your life in the event of a brain stroke. Let's learn more about it. Early detection of a brain stroke is essential. People have many misconceptions and questions about brain-related problems and stroke. To address these misconceptions, the theme for World Health Day 2026 has been set as "Unite for Health, Stand with Science." Doctors say that if someone suffers a stroke and is rushed to the hospital in time, it increases the chances of survival. But the big question is how to identify if someone has had a stroke? Causes and Risk Factors: A stroke occurs when the blood supply to a part of the brain is either interrupted or a blood vessel ruptures. Approximately 80-85% of cases involve ischemic strokes, where a blood clot forms and blocks blood flow. People with frequently elevated blood pressure are at higher risk for stroke. Diabetes weakens blood vessels, and high cholesterol levels cause plaque to build up in the arteries. Smoking thickens the blood and reduces oxygen supply. Obesity and physical inactivity also increase the risk significantly. The FAST formula can help identify early signs early: every minute is precious in the event of a stroke. The FAST formula is a simple method that even laypeople can use to identify early symptoms. F (Face): Is one side of the face drooping? Ask the person to smile. If you notice a drooping face, be alert. A (Arms): Is there weakness in raising one arm? Ask them to raise both arms. If one droops, it could be a sign of a stroke. S (Speech): Is there slurred speech or unclear words? T (Time): If these symptoms appear, don't waste time. See a doctor immediately. Treatment within the golden hour after a stroke can minimize brain damage. The sooner treatment begins, the better the chances of recovery.

52-year-old Malaika Arora shared her fitness mantra, saying, "No matter what age you are..."

Malaika Arora is 52 years old, but her fitness is amazing. Recently, the actress shared her fitness secret with fans. Even at 52, Malaika Arora remains very serious about her fitness. She works very hard to achieve it. aging and fitness, and also gave Malaika Arora recently fitness show, "Famously Fit with extensively in the gym and also the importance of paying and being practical about fitness. a badge. Let age grow gracefully. just a number." No matter what you are amazing. You shouldn't Malaika tells Sophie Choudry, don't want to workout today. The excuses, just go to the gym." She pay attention to their diet. her own restaurant, where she What is Malaika Arora doing on Arora is known for her item Last year too, she did an item in the film 'Thama'. She has also judged many dance reality shows.

Recently, the actress discussed fans some special advice. appeared on Sophie Choudry's Sophie." The two exercised discussed fitness. She emphasizes attention to your body's needs Malaika says, "Just wear it like Don't get too hung up on it. It's age you are, whether 20 or 60, make excuses about fitness - "Many people make excuses. I gym isn't free. But don't make also says that everyone should Malaika Arora has even opened provides healthy food options. the career front? - Malaika numbers in Bollywood films. dance on the song 'Poison Baby'

Amid Hardik Pandya and Mahika's relationship, Natasha shares an unseen photo, seen with the cricketer's family.

Natasha Stankovic recently shared a photo on her Instagram that caught everyone's attention. Find out what's special about the photo. Indian cricketer Hardik Pandya and Natasha Stankovic mutually Hardik is currently dating frequently posts photos of Meanwhile, Natasha viral because it is related to Hardik's family - In this with her ex-husband Hardik's mother, Nalini also seen in the picture. Hardik's family since their surprise to fans. The photo Model keeps her personal has been keeping her most of her time with her However, this new photo separation, the respect and remains intact, especially Hardik and Natasha engaged in January 2020 same year. Their son, 2023, the couple remarried relationship grew strained, and in July 2024, they mutually decided to separate. Currently Hardik is dating Mahika Sharma.

decided to separate in July 2024, and Mahika Sharma. The couple themselves on social media. Stankovic shared a post that is going Hardik Pandya. Natasha seen with recent post, Natasha Stankovic is seen Hardik Pandya's family. Interestingly, Pandya, and their son, Agastya, are Natasha has rarely been seen with divorce, so this photo came as quite a quickly went viral on social media. life private: After the divorce, Natasha personal life very private. She spends son, Agastya, and her close friends. clearly shows that despite their connection between the two families for raising their son. When did divorce? Natasha and Hardik got and married during the lockdown that Agastya, was born in 2020. Later, in in a grand ceremony. However, their

Bellamkonda Sai Srinivas got engaged to Kavya Reddy, proposed in a romantic way with a grand celebration.

Actor Bellamkonda Sai Srinivas got engaged to his girlfriend Kavya Reddy in Hyderabad in the presence of his close friends. Several videos of their grand celebration are going viral on social media. Bellamkonda Sai Srinivas got engaged to Kavya Reddy in a grand ceremony in Hyderabad on Sunday, April 5th. Photos and videos of the special occasion have surfaced, showing the couple dressed in matching attire. Srinivas was also seen lovingly kissing his fiancée's hand after the engagement. Their wedding date has also been revealed. Bellamkonda and Kavya's relationship became official.Srinivas and Kavya made their relationship official on April 5th. The engagement ceremony was held on Friday evening at a large farmhouse in Hyderabad. Srinivas's friends from the film industry also attended the event. In one video, he is seen lovingly kissing his fiancée's hand after the engagement, while fireworks are bursting all around. Proposing in a romantic style: In another video, Srinivas is seen on one knee and putting a ring on Kavya's finger. Some people standing behind them are seen wearing T-shirts that read "Will you marry me?" To make their engagement even more special, the couple released heart-shaped balloons into the sky with guests and enjoyed a grand celebration. Bellamkonda's acting career: Bellamkonda Sai Srinivas began his career in Tollywood with the 2014 action drama "Alludu Seenu." He subsequently gained recognition with the 2019 crime thriller "Rakshasudu." He also made his Bollywood debut in 2023 with the remake of the film "Chatrapathi." He recently appeared in the films "Bhairavam" and "Kishkindha Puri," both released in 2025. Srinivas will next be seen in "Tyson Naidu."